अमृत कलश टाइम्स

http://amritkalashtimes.com

वर्ष : 18
अंक : 71

प्रयागराज बुधवार 27 नवम्बर 2024

पृष्ठः- 4, मूल्यः- एक रूपया

जिन लोगों ने संविधान का गला घोंटने की कोशिश की, जनता ने उन्हें सबक सिखाया: सीएम

लखनऊ,(एजेंसी)। संविधान दिवस पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि शजिन लोगों ने संविधान का गला घोंटने की कोशिश की, जनता ने उन्हें सबक सिखायाश। राजधानी लखनऊ में मंगलवार को संविधान दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें सीएम योगी आदित्यनाथ भी शामिल हुए। इस मौके पर उन्होंने कहा कि बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर के संविधान में ष्दो शब्दष् सेक्युलर और सोशलिस्ट संविधान में नहीं थे। कांग्रेस ने चोरी–चुपके से यह शब्द जोड़े हैं। सीएम ने कहा कि जिन लोगों ने भारत के संविधान का गला घोंटने की कोशिश की, जनता ने उन्हें सबक सिखाया है। कहा कि संविधान 140 करोड़ भारतीयों को जोड़ने का काम करता है। मूल कर्तव्यों का निर्वहन ही बाबा साहब को सच्ची श्रृद्धांजलि है। कहा कि संविधान पर वर्ष भर कार्यक्रम चलेंगे। कार्यक्रम में सीएम योगी के साथ डिप्टी सीएम केशव मौर्य और ब्रजेश पाठक भी मौजूद रहे। कांग्रेस ने किया संविधान की उद्देशिका से छेड़छाड़– योगी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि संविधान की उद्देशिका से छेड़छाड़ कर कांग्रेस ने संविधान का गला घोंटा है। कांग्रेस ने संविधान के मूल स्वरूप को बदलने का प्रयास किया और देश की जनता के विश्वास को ठेस पहुंचाई। यह भाजपा की सरकार है जिसने संविधान के प्रति लोगों की आस्था को मजबूत किया। सीएम योगी ने कहा कि जिन लोगों ने भारत के संविधान का गला घोंटने का काम किया था जनता ने उनको भी सबक सिखाने में कोई कोताही नहीं बरती है। उन्होंने कहा कि किसी भी संविधान या किसी भी पवित्र कार्यक्रम की आत्मा उसका उद्देश्य होता है, भारत का जो मूल संविधान बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर ने 26 नवंबर 1949 को दिया जिसे भारत ने अंगीकार किया था, उसमें दो शब्द 'सेक्युलर' और 'समाजवादी' शब्द भी नहीं था।

संसद के संयुक्त सत्र में बोलीं राष्ट्रपति

संविधान एक जीवंत और प्रगतिशील दस्तावेज

● संवैधानिक आदर्शों को अपनाकर विकसित भारत बनाने में योगदान दें देशवासीः मुर्मु

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने देशवासियों से संवैधानिक आदर्शों को आचरण में लाने तथा मौलिक कर्तव्यों का पालन करने की अपील करते हुए वर्ष 2047 तक 'विकसित भारत' बनाने का राष्ट्रीय लक्ष्य हासिल करने को कहा है। श्रीमती मुर्मु ने संविधान को अंगीकार किये जाने के 75 वर्ष पूरे होने के अवसर पर मंगलवार को यहां संविधान सदन के केन्द्रीय कक्ष में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए कहा," 75 वर्ष पहले, आज ही के दिन, संविधान सदन के इसी सेंट्रल हॉल में, संविधान सभा ने एक नए स्वतंत्र देश के लिए संविधान बनाने का बड़ा काम पूरा किया था। उस दिन, संविधान सभा के माध्यम से, हम, भारत के लोगों ने, इस संविधान को अपनाया, अधिनियमित किया और खुद को समर्पित किया। हमारा संविधान हमारे लोकतांत्रिक गणराज्य की मजबूत आधारशिला है। हमारा संविधान हमारी सामूहिक और व्यक्तिगत गरिमा सुनिश्चित करता है।" राष्ट्रपति ने कहा कि हमारा संविधान एक जीवंत और प्रगतिशील दस्तावेज है। देश के दूरदर्शी संविधान निर्माताओं ने बदलते समय की आवश्यकताओं के अनुरूप नये विचारों को अपनाने की व्यवस्था प्रदान की थी। देश ने संविधान के माध्यम से सामाजिक न्याय और समावेशी विकास से संबंधित कई महत्वाकांक्षी लक्ष्य हासिल किए हैं। उन्होंने कहा कि एक नए दृष्टिकोण के साथ, भारत विदेशी राष्ट्रों के समुदाय में एक नई पहचान अर्जित कर रहा है। संविधान निर्माताओं ने भारत को अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का निर्देश दिया था और

संविधान सभा के दूरदर्शी सदस्यों ने एक प्रेरणादायक संविधान दिया, जो अन्य देशों के लिए भी आदर्श है। डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने आज ही के दिन कहा था कि संविधान को जीवंत बनाए रखना उन लोगों पर निर्भर करता है, जो उसका संचालन करते हैं।
संविधान दिवस पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

आज भारत एक अग्रणी अर्थव्यवस्था होने के साथ–साथ 'विश्व–बंधु' की भूमिका भी बखूबी निभा रहा है। श्रीमती मुर्मु ने कहा कि लगभग तीन–चौथाई सदी की संवैधानिक यात्रा में, देश संविधान निर्माताओं की अपेक्षा के अनुसार क्षमताओं को दिखाने और परंपराओं को विकसित करने में उल्लेखनीय हद तक सफल हुआ है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हमने जो सबक सीखा है, उसे अगली पीढ़ियों तक पहुंचाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि 2015 से हर साल 'संविधान दिवस' मनाने से युवाओं के बीच संविधान के बारे में जागरूकता बढ़ाने में मदद मिली है। उन्होंने सभी साथी नागरिकों से संवैधानिक आदर्शों को अपने आचरण में अपनाने का आग्रह करते हुए मौलिक कर्तव्यों का पालन करने और वर्ष 2047 तक 'विकसित भारत' के निर्माण के राष्ट्रीय लक्ष्य के प्रति समर्पण के साथ आगे बढने को कहा।

संविधान दिवस के कार्यक्रम में अचानक से बंद हुआ राहुल गांधी का माइक

● पार्टी नेताओं ने की जमकर नारेबाजी
● कांग्रेस नेता बोले– दलितों की बात करने पर बंद किया माइक

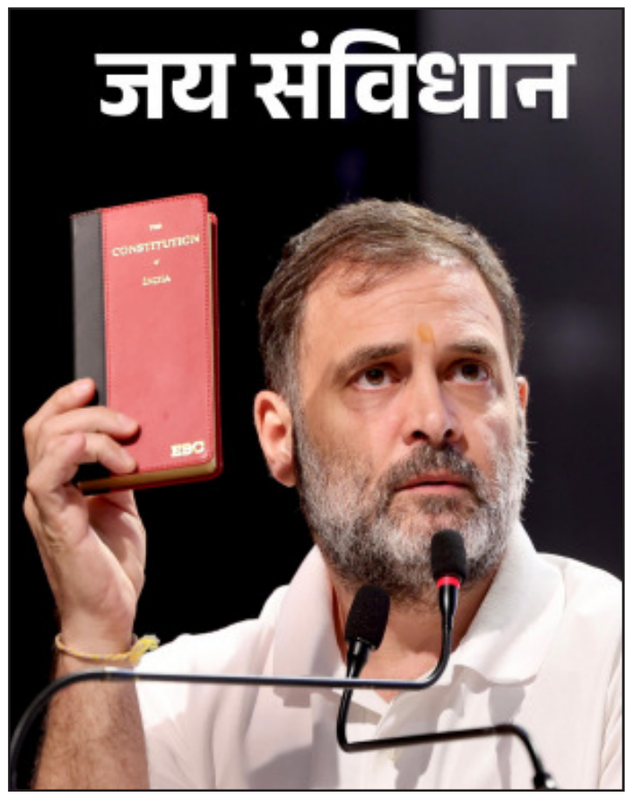

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। राहुल गांधी ने कहा कि मैं आपको गारंटी देता हूं कि प्रधानमंत्री मोदी ने संविधान नहीं पढ़ा है, अगर उन्होंने पढ़ा होता तो वे वह काम नहीं करते जो वह रोजाना करते हैं। उन्होंने कहा कि संविधान सिर्फ एक किताब नहीं बल्कि हजारों सालों के लिए भारत की सोच है, यह सत्य और अहिंसा के बारे में है। कांग्रेस के संविधान रक्षक अभियान में राहुल गाांधी ने आज कहा कि देश की पूरी व्यवस्था दलितों, आदिवासियों और पिछड़े वर्ग के लोगों के खिलाफ खड़ी है। उन्होंने दावा किया कि दलितों, आदिवासियों, ओबीसी का रास्ता एक दीवार से अवरुद्ध है। प्रधानमंत्री मोदी, आरएसएस उस दीवार को मजबूत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यूपीए सरकार ने पिछड़े वर्गों के रास्ते में आने वाली दीवार को कमजोर किया लेकिन हम दीवार को उतनी कमजोर नहीं कर पाए, जितना हमें करना चाहिए था। राहुल गांधी ने कहा कि मैं आपको गारंटी देता हूं कि प्रधानमंत्री मोदी ने संविधान नहीं पढ़ा है, अगर उन्होंने पढ़ा होता तो वे वह काम नहीं करते जो वह रोजाना करते हैं। उन्होंने कहा कि संविधान सिर्फ एक किताब नहीं बल्कि हजारों सालों के लिए भारत की सोच है, यह सत्य और अहिंसा के बारे में है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में जाति जनगणना की जा रही है, यह एक ऐतिहासिक कदम हैय हम जहां भी सरकार बनाएंगे, वहां ऐसा ही करेंगे। संविधान की कॉपी दिखाते हुए उन्होंने कहा कि क्या इसमें (संविधान में) सावरकर जी की आवाज है? क्या उसमें कहीं लिखा है कि हिंसा करनी चाहिए, लोगों को मारना चाहिए या झूठ का सहारा लेकर सरकार चलानी चाहिए?

रेलवे बोर्ड में ७५ संविधान दिवस समारोह का आयोजन

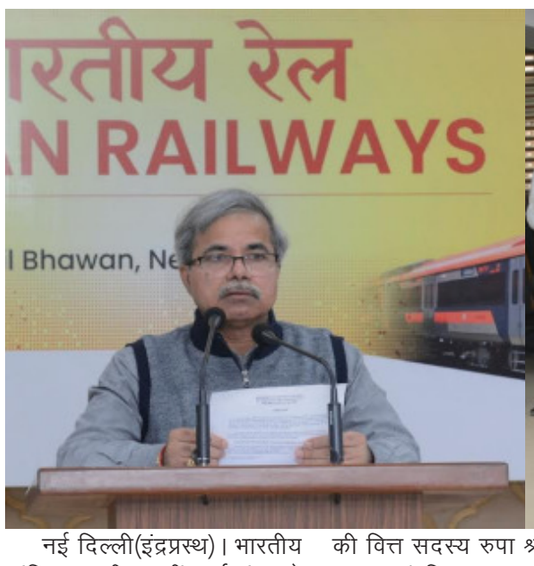

नई दिल्ली(इंद्रप्रस्थ)। भारतीय संविधान की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में रेलवे बोर्ड, नई दिल्ली में संविधान दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी सतीश कुमार ने रेलवे बोर्ड के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ मिलकर संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक पाठ किया। कार्यक्रम में रेलवे बोर्ड की वित्त सदस्य रुपा श्रीनिवासन, सदस्य (परिचालन एवं व्यवसाय विकास) रविंद्र गोयल, सदस्य (इंफ्रा) नवीन गुलाटी, और रेलवे बोर्ड की सचिव अरुणा नायर उपस्थित रहे। संविधान दिवस का उद्देश्य संविधान के मूल्यों, नागरिक अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष श्री सतीश कुमार ने इस अवसर पर संबोधित करते हुए कहा, "संविधान हमारे लोकतंत्र की आधारशिला है। यह हमें समावेशी विकास और न्याय सुनिश्चित करने की प्रेरणा देता है।" उन्होंने कर्मचारियों को संविधान के सिद्धांतों को अपने कार्य और जीवन में अपनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर उपस्थित सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने संविधान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। कार्यक्रम के दौरान संविधान के मूल सिद्धांतों जैसे समानता, स्वतंत्रता, बंधुत्व, और न्याय पर प्रकाश डाला गया। रेलवे बोर्ड ने इस आयोजन के माध्यम से कर्मचारियों को संविधान की भावना और इसके महत्व को समझने के लिए प्रेरित किया। रेल मंत्रालय के सभी क्षेत्रीय कार्यालयों और इकाइयों में भी संविधान दिवस के तहत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया।

चिंता करने वाला

भारत की राजनीति के मौजूदा स्तर को देखकर आज देश का हर दुद्धिजीवी जागरूक नागरिक हैरान और परेशान है, क्योंकि यहां पक्ष और विपक्ष दोनों ही स्तर के राजनेता देश की नहीं, अपनी राजनीति में व्यस्त है, सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के नेता, जहां मोदी जी के शासन के दशक के जश्न के नशे में खोए है, जो प्रतिपक्ष के नेता विदेशों में जाकर भारत के निंदागानन्य में व्यस्त है, अब ऐसे में देश और उसके देशवासियों के बारे में चिंता करने वाला कोई नही है, सभी अपनी आत्म प्रशंसा व अपने सुनहरे राजनीतिक भविष्य के रंगीन सपनों में खोए है, जबकि आम देशवासी को अपनी और अपने परिवार की चिंता से ही फुर्सत नही है, अर्थात कुल मिलाकर देश में प्रजातंत्र मात्र एक मीठी औपचारिकता बनकर रह गया है और देश के रहनुमां अपनी मौज मस्ती में उसी प्रजातंत्र का मजाक उड़ा रहे है, आखिर यह स्थिति देश को कहां ले जाकर खड़ा करेगी, अजा न तो सत्तापक्ष अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन कर रहा है और न ही प्रतिपक्ष, आज देश के जागरूक बुद्धिजीवियों के लिए यही सबसे बड़ा चिंता का विषय है।अब दिनों–दिन देश के आम नागरिक के लिए जीवन यापन भी मुश्किल होता जा रहा है, देश आज दो वर्गों में स्पष्ट विभाजित नजर आता है, एक वर्ग वह जो सत्ता व प्रतिपक्ष की राजनीति से जुड़कर शोषक्य बना हुआ है, तो दूसरा वर्ग वह जो ईश्वर पर आस्था रख जैसे तैसे अपना जीवन बसर कर रहा है। ज़और जहां तक देश के आधुनिक भाग्यविधाताओं (राजनेताओं) का सवाल है, वे इन्हीं असहाय व लाचार वग्र के नाम पर अपनी राजनीतिक चालें चलकर मौज–मस्ती कर रहे है और उन्हें देश या देशवासियों की कोई चिंता नही है, आजादी की हीरक जयंती हम इसी माहौल में मनाने को मजबूर है।यदि हम हमारे भाग्यविधाताओं (राजनेताओं) की मौजूदा भूमिकाओं की ही बात करें तो ताजा उदाहरण कांग्रेस के शीर्ष नेता और लोकसभा में विपक्ष नेता राहुल गांधी का ताजा अमेरिकी दौरा है, वहां उनके द्वारा दिए गए बयानों से तो ऐसा लगता है कि वे अमेरिका सिर्फ और सिर्फ भारत की बुराईयां ही करने गए है वैसे जहां तक राहुल जी का सवाल है, उनका हमेशा विवादों से ही नाता रहा है, उनके विवादित होने में मैं उनको दोषी इसलिए नही मानता क्योंकि उन्हें राजनीति की वह वास्तविक ट्रेनिंग नही मिल पाई जो मिलना चाहिए न उन्हें यह ट्रेनिंग उनकी दादी इंदिरा जी दे पाई और उनके पिता राजीव गांधी, अब वे जो भी राजनीति कर रहे है, वे अपनी ही सूझबूझ से कर रहे है, जिसमें ऐसी गलतियां होना स्वाभाविक हैढ़ढ

इसलिए इसके लिए राहुल जी को दोष देना मैं ठीक नही समझता, शायद उनके सत्ता सलाहकार भी अपने अस्तित्व के भविष्य की चिंता के कारण उन्हें सही सलाह नही दे पा रहे है। भारत के राजनीतिक पंडितों का यह भी मानना है कि मोदी जी की राजनीतिक मजबूती का मुख्य स्त्रोत प्रतिपक्ष की कमजोरी ही है, आज जो देश में प्रतिपक्ष नजर आ रहा है, वह अपने मूल दायित्वों को इसलिए ठीक से नही निभा पा रहा है क्योंकि उसे अपने स्वयं के अस्तित्व की भी चिंता है और साथ ही अपने आप पर भरोसा भी नही है, इसी कारण मोदी जी के शासन का एक दशक सफलता पूर्वक पूरा हो गया और यही स्थिति रही हो गृहमंत्री अमित शाह की 2029 की भविष्यवाणी भी सच हो जाएगी पर फिर प्रतिपक्ष कहां होगा, यह कल्पना ही व्यर्थ है?इन्ही सब स्थितियों और कारणों से भारतीय राजनीति और उनकी संभावनाओं की स्थिति डांमाडोल बनी हुई है और इस अस्थिरता के चलते सत्ताधारी लूट सके सो लूट्व्य की मुद्रा में है तो प्रतिपक्ष उन्हें अदृष्य सहायता करने में व्यस्त है, अब ऐसे में देश और देशवासियों की चिंता करने वाला कौन? सब भगवान भरोसेज़..?

आज का राशिफल

डॉ बिपिन पाण्डेय
ज्योतिष विभाग
लखनऊ विवि

मेष–आज मन खुश रहेगा व जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। नौकरी में पदोन्नति के आसार हैं आपको थोड़ा संयम से रहने की आवश्यकता होगी। आपके परिवार का कोई सदस्य आपके लिये मार्गदर्शक बनेगा। थकान महसूस होगी। आराम के लिए समय निकालें।

वृष –आज आपको स्वास्थ्य को लेकर आपको थोड़ा सचेत रहने की आवश्यकता होगी। विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य हासिल करने में थोड़ी अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है लेकिन उन्हें इस कड़ी मेहनत का अपेक्षित परिणाम भी हासिल होगा। दिन की शुरुआत में आपको थोड़ा सचेत रहने की आवश्यकता है।

मिथुन –आज अपने स्वास्थ्य को लेकर ज्यादा चिंता न करें, क्योंकि इससे आपकी बीमारी और बिगड़ सकती है। पैसे कमाने के नए मौके मुनाफा देंगे। आपको पहली नजर में किसी से प्यार हो सकता है। घर में मरम्मत का काम या सामाजिक मेल–मिलाप आपको व्यस्त रखेगा। व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है।

कर्क –दुश्मन की ताकत का अंदाजा लगाए बिना उलझना ठीक नहीं है। जीवनसाथी की भावनाओं का सम्मान करें। धर्म–कर्म में आस्था बढ़ेगी। विरोधी परास्त होंगे। महत्वपूर्ण कार्य में विलंब संभव है। लाभ होगा। अपने प्रेमी या जीवनसाथी की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है।

सिंह –आज पुरानी गलतियों को लेकर भय बना रहेगा। साझेदारी में चल रहा गतिरोध दूर होने के आसार है। आयात–निर्यात के कारोबार में बड़ा लाभ संभव है। समान विचारधारा वाले लोगों के साथ काम करना आसान रहेगा। दूसरों की गलती अपने पर आ सकती है। काम में देरी से लाभ की मात्रा सीमित होगी।

कन्या –आज के दिन आपको सुख–समृद्धि, कार्यक्षेत्र में उन्नति, सुखद सफल यात्राएं, परिवार और जीवन साथी का सहयोग सब मिलने के आसार हैं। विवाहित व्यक्ति अपने जीवनसाथी में पूर्णतया विश्वास जतायें अन्यथा संबंधों में खटास पैदा हो सकती है। आपके कर्मक्षेत्र, आपके सम्मान व आपके नाम पर पडने के आसार हैं।

तुलाःआज भाग्य आपके साथ है। लंबे समय से चले आ रहे प्रेम संबंधों को नया रूप देने के लिए अच्छा मौका है। आज स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहें। अचानक सेहत बिगड़ सकती है और कई जरूरी काम भी रुक सकते हैं। परिवार के लोग आपसे थोड़े नाराज हो सकते हैं।

वृश्चिकः आज आप अकेलापन महसूस कर सकते हैं, इससे बचने के लिए कहीं बाहर जाएं और दोस्तों के साथ कुछ समय बिताएं।आज जिस नए समारोह में आप शिरकत करेंगे, वहाँ से नयी दोस्ती की शुरुआत होगी। आज आपका प्रिय आपके साथ में समय बिताने और तोहफे की उम्मीद कर सकता है।

धनुः आज आपके परिश्रम से किए गए कार्य में सिद्धि होगी। नौकरी में आप का सम्मान बढेगा। यात्रा के दौरान आप नयी जगहों को जानेंगे। और महत्वपूर्ण लोगों से मुलाकात होगी। आप अपने प्रिय द्वारा कही गयी बातों के प्रति काफी संवेदनशील होंगे। अगर आप सूझ–बूझ से काम लें, तो आज अतिरिक्त धन कमा सकते हैं।

मकरः आज आपके आय के नए स्रोत बनेंगे। आकस्मिक धन के अवसर मिलेंगे। मित्रों और जीवनसंगिनी के सहयोग से राह आसान होगी। आध्यात्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। दफ्तर का तनाव आपकी सेहत खराब कर सकता है। अपने जज्बात पर काबू रखें। आज आपको अपने प्रिय की याद सताएगी।

कुंभः आज आप करिअर से जुड़े फैसले खुद करें, बाद में इसका लाभ आपको मिलेगा। सहकर्मियों और कनिष्ठों के चलते चिंता और तनाव के क्षणों का सामना करना पड़ सकता है। माता–पिता की मदद से आप आर्थिक तंगी से बाहर निकलने में कामयाब रहेंगे। आज दोस्तों के साथ बाहर घूमना आपके मन को खुशी देगा।

मीनः आज भाग्य पर निर्भर न रहें और अपनी सेहत को सुधारने की कोशिश करें। आप उन लोगों की तरफ वादे का हाथ बढ़ाएंगे, जो आपसे मदद की गुहार करेंगे। यह दिन आपके सामान्य वैवाहिक जीवन से कुछ हटकर होने वाला है। यह दिन आपके सामान्य वैवाहिक जीवन से कुछ हटकर होने वाला है।

भ्रष्टाचार तों अपने पाँव पसारता ही है?

विनीत नारायण

आज की सूचना क्रान्ति के दौर में ऐसी चोरी पकडना बायें हाथ का खेल है। उपग्रह सर्वेक्षणों से हर परियोजना के क्रियान्वयन पर पूरी नजर रखी जा सकती है और काफी हदतक चोरी पकड़ी जा सकती है। पर चोरी पकडने का काम नौकरशाही का कोई सदस्य करेगा तो अनेक कारणों से सच्चाई छिपा देगा। निगरानी का यही काम देशभर में अगर प्रतिष्ठित स्वयंसेवी संगठनों या व्यक्तियों से करवाया जाये तो चोरी रोकने में पूरी नहीं तो काफी सफलता मिलेगी।

केंन्द्र सरकार बंजर भूमि, मरूभूमि व सूखे क्षेत्र को हरा–भरा बनाने के लिए हजारों करोड़ रूपया प्रान्तीय सरकारों को देती आई है। मगर जिले के अधिकारी और नेता मिलीभगत इसका बड़ा पैसा डकार जाते हैं। झूठे आंकड़े प्रान्त सरकार के माध्यम से केन्द्र सरकार को भेज दिये जाते हैं पर इस विषय के जानकारों को कागजी आंकड़ों से गुमराह नहीं किया जा सकता। आज हम उपग्रह कैमरे से हर राज्य की जमीन का चित्र देख कर यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि जहां–जहां सूखी जमीन को हरी करने के दावे किये गये, वो सब कितने सच्चे हैं।

दरअसल यह कोई नई बात नहीं है। विकास योजनाओं के नाम पर हजारों करोड़ रूपया इसी तरह वर्षों से प्रान्तीय सरकारों द्वारा पानी की तरह बहाया जाता है। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गाँधी का यह जुमला अब पुराना पड़ गया कि केन्द्र के भेजे एक रूपये मे से केवल 14 पैसे जनता तक पहुंचते हैं। सूचना का अधिकार कानून भी जनता को यह नहीं बता पायेगा कि उसके इर्द–गिर्द की एक गज जमीन पर, पिछले 70 वर्षों में कितने करोड़ रूपये का विकास किया जा चुका है।

सड़क निर्माण हो या सीवर, वृक्षारोपण हो या कुण्डों की खुदाई, नलकूपों की योजना हो या बाढ़ नियन्त्रण, स्वास्थ्य सेवाऐं हों या शिक्षा का अभियान की अरबों–खरबों रूपया कागजों पर खर्च हो चुका है। पर देश के हालात कछुए की गति से भी नहीं सुधर रहे। जनता दो वख्त की रोटी के लिए जूझ रही है और नौकरशाही, नेता व माफिया हजारो गुना तरक्की कर चुके है। जो भी इस क्लब का सदस्य बनता है, कुछ अपवादों को छोड़कर, दिन दूनी रात चौगुनी तरक्की करता है। केन्द्रीय सतर्कता आयोग, सीबीआई, लोकपाल व अदालतें उसका बाल भी बाकां नहीं कर पाते।

जिले में योजना बनाने वाले सरकारीकर्मी योजना इस दृष्टि से बनाते हैं कि काम कम करना पड़े और कमीशन तगड़ा मिल जाये। इन्हें हर दल के स्थानीय विधायकों और सांसदों का संरक्षण मिलता है। इसलिए यह नेता आए दिन बड़ी–बड़ी योजनाओं की अखबारों में घोषणा करते रहते है। अगर इनकी घोषित योजनाओं की लागत और मौके पर हुए काम की जांच करवा ली जाये तो दूध का दूध और पानी का पानी सामने आ जायेगा। यह काम मीडिया को करना चाहिए था। पहले करता भी था।

पर अब नेता पर कॉलम सेन्टीमीटर की दर पर छिपा भुगतान करके बड़े–बड़े दावों वाले अपने बयान स्थानीय अखबारों में प्रमुखता से छपवाते रहते है। जो लोग उसी इलाके में ठोस काम करते है, उनकी खबर खबर नहीं होती पर फजर्धेवाड़े के बयान लगातार धमाकेदार छपते है।

इन भ्रष्ट अफसरों और निर्माण कम्पनियों का भांडा तब फूटता है जब लोकार्पण के कुछ ही दिनों बाद अरबों रुपए की लागत से बने राजमार्ग या एक्सप्रेस–वे गुणवत्ता की कमी के चलते या तो धँस जाते हैं या बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो जाते हैं। ऐसा नहीं है कि ऐसी धांधली केवल सड़क मार्गों पर ही होती है। ऐसा भी देखने को मिला है जब रेल की पटरियाँ भी धँस गई और रेल दुर्घटना हुई।

उधर जिले से लेकर प्रान्त तक और प्रान्त से लेकर केन्द्र तक प्रोफेशनल कन्सलटेन्ट का एक बड़ा तन्त्र खड़ा हो गया है। यह कन्सलटेन्ट सरकार से अपनी औकात से दस गुनी फीस वसूलते है और उसमें से 90 फीसदी तक काम देने वाले अफसरों और नेताओं को पीछे से कमीशन मे लौटा देते है। बिना क्षेत्र का सर्वेक्षण किये, बिना स्थानीय अपेक्षाओं को जाने, बिना प्रोजेक्ट की सफलता का मूल्यांकन किये केवल खघनापूर्ति के लिए डीपीआर (विस्तृत कार्य योजना) बना देते है। फिर चाहे जे.एन.आर.यू.एम. हो या मनरेगा, पर्यटन विभाग की डीपीआर हो या ग्रामीण विकास की सबमें फजर्धेवाड़े का प्रतिशत काफी ऊँचा रहता है। यही वजह है कि योजनाएँ खूब बनती है, पैसा भी खूब आता है, पर हालात नहीं सुधरते।

आज की सूचना क्रान्ति के दौर में ऐसी चोरी पकडना बायें हाथ का खेल है। उपग्रह सर्वेक्षणों से हर परियोजना के क्रियान्वयन पर पूरी नजर रखी जा सकती है और काफी हदतक चोरी पकड़ी जा सकती है। पर चोरी पकडने का काम नौकरशाही का कोई सदस्य करेगा तो अनेक कारणों से सच्चाई छिपा देगा। निगरानी का यही काम देशभर में अगर प्रतिष्ठित स्वयंसेवी संगठनों या व्यक्तियों से करवाया जाये तो चोरी रोकने में पूरी नहीं तो काफी सफलता मिलेगी।

ग्रामीण विकास के मंत्री ही नहीं बल्कि हर मंत्री को तकनीकी क्रान्ति की मदद लेनी चाहिए। योजना बनाने में आपाधापी को रोकने के लिए सरल तरीका है कि जिलाधिकारी अपनी योजनाएँ वेबसाइट पर डाल दें और उनपर जिले की जनता से 15 दिन के भीतर आपत्ति और सुझाव दर्ज करने को कहें। जनता के सही सुझावों पर अमल किया जाये। केवल सार्थक, उपयोगी और ठोस योजनाएँ ही केन्द्र सरकार व राज्य को भेजी जाये।

योजनाओं के क्रियान्वयन की साप्ताहिक प्रगति के चित्र भी वेबसाइट पर डाले जायें। जिससे उसकी कमियां जागरूक नागरिक उजागर कर सकें। इससे आम जनता के बीच इन योजनाओं पर हर स्तर पर नजर रखने में मदद मिलेगी और अपना लोकतन्त्र मजबूत होगा। फिर बाबा रामदेव या अन्ना हजारे जैसे लोगों को सरकारों के विरुद्ध जनता को जगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

आज हर सरकार की विश्वसनीयता, चाहें वो केन्द्र की हो या प्रान्तों की, जनता की निगाह में काफी गिर चुकी है और अगर यही हाल रहे तो हालत और भी बिगड़ जायेगी। देश और प्रान्त की सरकारों को अपनी पूरी सोच और समझ बदलनी पड़ेगी। देशभर में जिस भी अधिकारी, विशेषज्ञ, प्रोफेशनल या स्वयंसेवी संगठन ने जिस क्षेत्र में भी अनुकरणीय कार्य किया हो, उसकी सूचना जनता के बीच, सरकारी पहल पर, बार–बार, प्रसारित की जाये। इससे देश के बाकी हिस्सों को भी प्रेरणा और ज्ञान मिलेगा।

फिर सात्विक शक्तियां बढ़ेंगी और देश का सही विकास होगा। अभी भी सुधार की गुंजाइश है। लक्ष्य पूर्ति के साथ गुणवत्ता पर ध्यान दिया जाए। यह तो आने वाला समय ही बताएगा कि इन घोषणाओं के चलते किए गए ये दावे गुणवत्ता के पैमाने पर कितने खरे उतरते हैं? चूँकि ऐसी योजनाओं में भ्रष्टाचार तों अपने पाँव पसारता ही है? ऐसे में जनहित का दावा करने वाले नेता क्या वास्तव में जनहित करे पाएँगे?

वार्ता एवं कूटनीति के जरिए शांतिपूर्ण समाधान

साझा घोषणापत्र में शामिल यह वाक्य अहम हैरू भारतीय पक्ष ने दोहराया कि ध्यान वार्ता एवं कूटनीति के जरिए शांतिपूर्ण समाधान पर केंद्रित किया जाना चाहिए और इस प्रक्रिया में सभी शहितधारकोंच को शामिल किया जाना चाहिए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सात घंटों की यूक्रेन यात्रा के दौरान दो स्पष्टीकरण दिए गए। मोदी ने कहा कि रूस–यूक्रेन युद्ध के मामले में भारत तटस्थ नहीं है, बल्कि वह हमेशा ही शांति के पक्ष में रहा है। इस बात से यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदीमीर जेलेन्स्की ने क्या संकेत ग्रहण किया, यह स्पष्ट नहीं है। दूसरी सफाई विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने जुलाई में मास्को यात्रा के दौरान मोदी के रूसी राष्ट्रपति व्लादमीर पुतिन से गले लगने के बारे में दी। कहा कि ऐसा करना हमारी संस्कृति का हिस्सा है। आपकी (यूक्रेन की) संस्कृति में ऐसी परंपरा नहीं होगी, लेकिन हमारी संस्कृति में जब दो लोग मिलते हैं, तो गले लगते हैं। कीव में मोदी जेलेन्स्की के भी गले लगे। इस तरह उन्होंने संतुलन बनाने का संदेश दिया। संभवतरू यह संदेश जेलेन्स्की से ज्यादा पश्चिमी राजधानियों के लिए है, जहां मोदी की रूस यात्रा पर तीखी प्रतिक्रिया हुई थी। वहां उन तस्वीरों से भी तब पैदा हुआ असंतोष कुछ शांत होगा, जिनमें मोदी उन बच्चों के स्मारक पर श्रद्धांजलि देते देखे गए, जिनकी मौत कथित रूप से रूसी हमलों में हुई है।

शायद यह एकमात्र ऐसा कदम है, जिससे मास्को में कुछ नकारात्मक प्रभाव पैदा हुआ हो। इसलिए कि यह यूक्रेन के इस दावे पर भारत की मुहर के रूप में देखा जाएगा कि रूस ने बच्चों को निशाना बनाया है। रूस ऐसे दावों का खंडन करता रहा है। वैसे जहां तक साझा घोषणापत्र की बात है, उसमें संतुलन बनाए रखा गया। उसमें शामिल यह वाक्य अहम है– भारतीय पक्ष ने दोहराया कि ध्यान वार्ता एवं कूटनीति के जरिए शांतिपूर्ण समाधान पर केंद्रित किया जाना चाहिए और इस प्रक्रिया में सभी शहितधारकोंच को शामिल किया जाना चाहिए। स्पष्टतरू यहां जोर रूस और यूक्रेन के बीच बातचीत से समाधान निकालने पर है। मगर यह अव्यावहारिक फॉर्मूला है। जब तक अमेरिका और नाटो रूस से सीधी बातचीत के लिए तैयार नहीं होते, बात आगे बढने की संभावना कम ही है। फिलहाल तो रूस का रुख और गरम हो गया है। फिलहाल, भारत ने अपने बारे में पश्चिम में बनी गलतफहमियों को दूर करने का ठोस प्रयास किया है।

डिजिटल अरेस्ट का वरिष्ठजन पर मंडराता खतरा

ऑनलाइन फ्रॉड की चर्चा बहुत दिनों से सुनते आ रहे हैं। बहुत से लोगों से करोड़ों रुपये ये फ्रॉड करने वाले जालसाज बैंक एकाउंट से उड़ा ले गए। झारखंड का जामताड़ा और हरियाणा का नूंह इस ऑनलाइन फ्रॉड करने के केंद्र के रूप में बहुचर्चित हो गया। यह सिलसिला रुकने का नाम भी नहीं ले रहा था कि अब एक नये रूप में आपके मोबाइल पर ऐसी धोखाधड़ी सामने आ गई है जिसे शडिजिटल एरेस्ट का नाम दिया गया है।डिजिटल अरेस्ट करने वाले धोखेबाज अपने–आप को सी. बी. आई., आर. बी. आई., पुलिस, इन्कम टैक्स या नशीले पदार्थ की रोकथाम में लगे अधिकारी, जैसे विभाग, की ओर से बात करते हैं। वो पहले से आपके विषय में बहुत जानकारी एकत्र कर लेते हैं – आपके परिवार, मित्रगण, व्यवसाय, आदि से सम्बंधित। ये जालसाज अपनी बात बहुत विश्वास और धमकाने वाले अंदाज से करते हैं। वीडियो कॉल पर तो ये जालसाज पुलिस या अन्य सरकारी यूनिफॉर्म में नजर आएंगे और बैकग्राउंड में सरकारी दफ्तर दिखाई देगा। बिल्कुल ऐसा लगेगा कि वो सही–सही उसी विभाग से बोल रहे हैं। आपको धमकाया जाएगा कि आपने यह गलत काम किया है जिसके लिए आपको जेल हो सकती है और आपका समाज में बहुत नाम खराब हो जाएगा। इससे बचने के लिए वो आपसे रुपये की मांग करेंगे। ऐसी धोखाधड़ी में बुजुर्ग व्यक्ति ज्यादा शिकार हो रहे हैं। टेक्नोलॉजी की समझ कम होना, जल्द किसी की बातों में आ जाना और उम्र के इस पड़ाव में ऐसी धमकी भरी बातों से घबरा जाना आम बात है। कुछ ही सप्ताह पहले एक बहुत ही प्रतिष्ठित बिजनेस ग्रुप के 82 वर्षीय सीईओ से ऐसे साइबर जालसाज ने सात करोड़ रुपये ठग लिए थे।

डिजिटल अरेस्ट धोखाधड़ी का एक उदाहरण यहां देना चाहूंगा। एक लड़की का वीडियो कॉल आता है, आप रिस्पॉन्स देते है, कुछ अनाप–शनाप बाते होती हैं जिसे उस लड़की ने रिकॉर्ड कर लिया है। लाइन काट दी जाती है। आप निश्चिंत हो जाते हैं। पर अगले दिन सुबह एक पुरुष का फोन आता है और वह अपने को पुलिस का उच्च अधिकारी बताता है। वह कहता है कि कल आप एक लड़की से अश्लील बात कर रहे थे, सारी रिकॉर्डिंग हमे मिली है। आपको इस अपराध के लिए गिरफ्तार किया जा सकता है। इसे हम यूट्यूब पर पोस्ट भी कर देंगे। प्रधान मंत्री ने डिजिटल सुरक्षा के तीन चरण की बात की। इसे समझाते हुए उन्होंने कहा कि ये तीन चरण हैं दृ श्रुरुको–सोचो–एक्शन लो कॉलश आते ही, श्रुरुकोश – घबराएं नहीं, शांत रहें, जल्दबाजी में कोई कदम न उठाएं, किसी को अपनी व्यक्तिगत जानकारी न दें, संभव हो तो स्क्रीनशॉट लें और रिकॉर्डिंग जरूर करें। इसके बाद आता है, दूसरा चरण, श्सोचोश। कोई भी सरकारी विभाग फोन पर ऐसे धमकी नहीं देती, न ही वीडियो कॉल पर पूछताछ करता है, न ही ऐसे पैसे की मांग करता है। और तीसरा चरण है – श्एक्शन लोश। राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 पर डायल करें, बलइमतबतपउम.हवअ.पद पर रिपोर्ट करें, परिवार और पुलिस को सूचित करें, सबूत सुरक्षित रखें। ये तीन चरण आपकी डिजिटल सुरक्षा का रक्षक बनेंगे।

प्रधानमंत्री ने दोहराया कि डिजिटल एरेस्ट जैसी कोई व्यवस्था कानून में नहीं है। ये सिर्फ फ्रॉड है, फरेब है, झूठ है, बदमाशों का गिरोह है और जो लोग ऐसा कर रहे हैं, वो समाज के दुश्मन हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि डिजिटल अरेस्ट के नाम पर जो फरेब चल रहा है, उससे निपटने के लिए तमाम जांच एजेंसियां, राज्य सरकारों के साथ मिलकर काम कर रही हैं।इन एजेंसियों में तालमेल बनाने के लिए नेशनल साइबर कोऑर्डिनेशन सैन्टर की स्थापना की गई है। नागरिकों से सहयोग का आग्रह करते हुए उन्होंने कहा कि इस धोखाधड़ी से बचने के लिए बहुत जरूरी है हर नागरिक का जागरूक होना। जो लोग भी इस तरह के फ्रॉड का शिकार होते हैं, उन्हें ज्यादा–से–ज्यादा लोगों को इसके बारे में बताना चाहिए।

मुहिम में छात्रों को भी जोडने का आग्रह किया। समाज में सबके प्रयासों से ही इस चुनौती का मुकाबला किया जा सकता है। वरिष्ठजन घर पर छोटों से अपने स्मार्टफोन के विषय में ज्यादा से ज्यादा जानकारी लेने का प्रयास करें। उन्हें किसी भी अनजान नंबर से फोन आने पर रिस्पॉन्स नहीं करना चाहिए। जरूरत लगे तो आप उस नंबर पर मैसेज दे कि आप अभी व्यस्त है और वो कॉल करने वाला आपको मैसेज द्वारा अपना काम बताए। मोबाइल पर अंजान नंबर से अगर कोई लिंक आता है तो उसे क्लिक न करें। व्यक्तिगत जानकारी या बैंक के डिटेल्स किसी से भी सांझा न करें। ये छोटी छोटी सावधानियां आपको इस तरह के स्कैम से बचाने में सहयोग करेंगी।

अयोध्या महोत्सवः इस बार दो विश्व रिकॉर्ड बनाने की तैयारी

26–27 दिसंबर को होगा ऐतिहासिक आयोजन

–दुरदुरिया पूजन में सात हजार मातृशक्ति व कन्यापूजन में सात हजार कन्यायें करेंगी प्रतिभाग

अयोध्या। अयोध्या महोत्सव न्यास, उत्तर देश पर्यटन विभाग और जिला प्रशासन अयोध्या के संयोजन में आयोजित होने वाले अयोध्या महोत्सव में इस वर्ष दो विश्व रिकॉर्ड बनाने की तैयारी है। दुरदुरिया पूजन और कन्या पूजन का कार्यक्रम बृहद स्तर पर आयोजित किया जाएगा, जिसमें सात हजार मातृशक्ति व सात हजार कन्याये भाग लेंगी। न्यास अध्यक्ष हरीश कुमार श्रीवास्तव ने मंगलवार को शहर के एक होटल में पत्रकारों से वार्ता करते हुए कहा कि आज जब अयोध्या में भव्य दीपोत्सव का आयोजन किया जा रहा है और इसके प्रतिवर्ष नए विश्व रिकॉर्ड बन रहे हैं तो अपनी लोक आस्था के प्रति समर्पित लोगों के मन के कार्यक्रम दुरदुरिया पूजन को विश्व पटल तक लाने के उद्देश्य इस बार वृहद स्तर पर किया जा रहा है। विभिन्न लोक परंपराओं को विश्व पटल पर लाने के लिए विश्व रिकॉर्ड की टीम को आमंत्रित किया गया है, जिसकी संस्तुति प्राप्त हो गई है। अयोध्या की लोक आस्था के प्रतीक अवसान माता की पूजा का कार्यक्रम दुरदुरिया पूजन 26 दिसंबर को सामूहिक रूप में अयोध्या महोत्सव न्यास के संगठन महासचिव अरुण द्विवेदी के संयोजन में आयोजित किया जाएगा जिसके प्रभारी न्यास के प्रबंधक आकाश अग्रवाल व नारी शक्ति के प्रतीक कन्या पूजन अयोध्या महोत्सव न्यास की महासचिव ऋचा उपाध्याय के संयोजन में 27 दिसंबर को जिसकी प्रभारी न्यास की प्रबंध निदेशक नाहिद कैफ होंगी। इसके साथ ही दुरदुरिया पूजन में न्यास के वरिष्ठ उपाध्यक्ष विजय यादव, उपाध्यक्ष रवि चौधरी, गृजेश त्रिपाठी, संयुक्त सचिव बृजेश ओझा, कार्यक्रम सचिव उज्ज्वल चौहान, कार्यालय सचिव निकिता चौहान, कार्यक्रम प्रभारी सदक हुसैन, स्वाती सिंह, शशांक उपाध्याय, अनुराग सिंह, शिप्रा श्रीवास्तव, नेहा हाशमी, ममता, नीलम, रचना सिंह, कंचन, सुशीला, रामावती, शिवदेवी आदि दुरदुरिया कार्यक्रम में सहयोग प्रदान करेंगी जबकि कन्या पूजन में उपाध्यक्ष मोहित मिश्रा, भूपेंद्र प्रताप सिंह, कोषाध्यक्ष रेगन सिंह चौहान, संगठन सचिव जनार्दन पाण्डेय, प्रचार सचिव गौतम सिंह, मीडिया प्रभारी श्रीप्रकाश पाठक, कार्यक्रम प्रभारी सूर्याश चोपड़ा, पूजा अरोड़ा, जे पी पाण्डेय, राजेश गौड़, अंकित श्रीवास्तव, अवनीश सिंह, सुरेश मिश्रा, मरियम फातिमा व्यवस्था संचालन में सहयोग प्रदान करेंगे।

न्यास के अध्यक्ष ने बताया कि दुरदुरिया पूजन और कन्या पूजन कार्यक्रम में 7–7 हजार मातृशक्तियां व कन्याये भाग लेंगी, जिसकी समस्त तैयारियां पूर्ण कर ली गईं हैं। इस ऐतिहासिक आयोजन में नारी सशक्तीकरण और नारी शक्ति की उपासना के प्रतीक कन्या पूजन को विश्व में ख्याति प्राप्त होगी। यह आयोजन अयोध्या की सांस्कृतिक धरोहर को विश्व पटल पर लाने में महत्वपूर्ण भूमिका विभाएगा। अयोध्या महोत्सव न्यास में संरक्षक मण्डल में मणिराम दास छावनी के महंत कमलनयन दास, असर्फी भवन के महंत धराचार्य, बावन मन्दिर महंत वैदेही बल्लभ शरण, उदासीन आश्रम महंत भरतदास, दिगम्बर अखाड़ा महंत सुरेशदास, श्री राम लभाकुंज महंत राम कुमार दास, हनुमान गढ़ी महंत रामदास, श्री रामजन्म भूमि न्यास सदस्य डॉ अनिल मिश्रा है। जबकि संयोजक मंडल में विधायक अयोध्या वेद प्रकाश गुप्ता, महापौर अयोध्या गिरीशपति त्रिपाठी, विधायक रूदौली रामचंद्र यादव, विधायक कापुर अमित सिंह चौहान, अध्यक्ष जिला पंचायत रोली सिंह, जिलाध्यक्ष भाजपा संजीव सिंह, विधान परिषद सदस्य अंगद सिंह, पूर्व विधायक इंद्र प्रताप तिवारी, बाबा गोरखनाथ, महानगर संघ चालक डॉ विक्रमा प्रसाद हैं।

पुलिस अधीक्षक ने देर रात्रि थाना को0 भिनगा का किया औचक निरीक्षण

श्रावस्ती । पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया ने देर रात्रि थाना को0 भिनगा का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान प्रभारी निरीक्षक भानु प्रताप सिंह कर्तव्य पर मौजूद मिले। पुलिस अधीक्षक ने निरीक्षण के दौरान ड्युटीरत कर्मियों से कार्यों के बारे में जानकारी लेते हुए कुशलक्षेम जाना तथा रात्रि गश्त पर मौजूद पुलिस कर्मियों को चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने हेतु निरंतर भ्रमणशील रहने के लिये निर्देशित किया। तत्पश्चात थाना कार्यालय पहुंच कर कार्यालेख व सीसीटीएनएस पर मौजूद कर्मचारियों से कुशलक्षेम जानते हुए कार्यों के बारे में जानकारी ली, थाने के अभिलेखों को चेक किया तथा रखरखाव हेतु आवश्यक दिशादृनिर्देश दिये। थाना परिसर में भोजनालय पहुँचकर साफ–सफाई रखने व कर्मियो को मानक के अनुसार गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने हेतु संबंधित को निर्देशित किया।

दो दुकानों में लगी आग, काबू पाया

जौनपुर (आरएनएस)। जिले के मुंगराबादशाहपुर, जंघई रोड थाना–मुंगराबादशाहपुर के अंतर्गत बालाजी ज्वैलर्स और वस्त्रालय की दुकान में आग लगने से अफरातफरी मच गयी। एक घण्टे बाद दमकल की गाड़ी ने आग पर काबू पाया लेकिन तब तक काफी नुकसान हो चुका था। बताते है कि आग लगने की सूचना प्राप्त होते ही फायर स्टेशन सतहरिया से यूनिट घटनास्थल के लिए रवाना हुई तथा रेस्क्यूध्एक्सीडेंट घटनास्थल कुंअरपुर टोलटैक्स के पास थाना पवारा से वापस आ रही फायर ब्रिगेड की गाडी भी उक्त घटनास्थल के लिए रवाना हुई, घटनास्थल पर पहुंच कर आग बालाजी ज्वैलर्स और वस्त्रालय दुकान में लगी हुई थी लोगों ने पंपिंग सेट चालू कर आग को बुझाने का कार्य प्रारंभ किया गया।

संक्षेप

नगर पंचायत की अनदेखी

सोनभद्र। नगर पंचायत क्षेत्र के वार्ड नंबर चार में दो माह पूर्व मणिशंकर राय की निजी भूमी में नगर पंचायत की अनदेखी के कारण स्ट्रीट लाइट गड्ढा कर लगा दी गई,जिसके कारण ड्रेनेज की मुख्य पाइप फट गई और लाइट के खंभे से लेकर रोड तक घरों के अपशिष्ट पानी का जल जमाव हो गया है। स्थानीय लोगों द्वारा मना करने और दूसरे स्थान पर लाइट लगाने की बात को भी नगर पंचायत के लोगों ने अनदेखा किया।जहां केंद्र और राज्य सरकार डेंगू के मच्छरों के रोकथाम के लिए गाइडलाइन जारी कर रही है वहीं नगर पंचायत डाला को किए गए शिकायत पर भी कारवाही नहीं की जा रही है। नगर पंचायत अध्यक्षा प्रतिनिधि को मौके पर स्थानीय लोगों ने समस्या को कई बार दिखाया,फिर भी अभी तक समस्या का हल नहीं हुआ है। आम जन परेशान है नाली व बदबू से इस बीच प्रतिनिधि इत्र लगाकर सुगंधित गाड़ी से आएंगे जाएंगे।

फायर एनओसी के दौरान जांच

सोनभद्र। बुधवार को मुख्य अग्नि सम्मान अधिकारी श्री राम साइन के नेतृत्व में जिला अस्पताल मेडिकल कॉलेज, एल–2,एमसीएच, पीपी सेंटर शहीद कई एनपीएससी सीएससी पर अग्निशमन यंत्र की जांच की गई वहीं मुख्य अग्निशमन अधिकारी ने बताया कि जिला अस्पताल और मेडिकल कॉलेज में फायर एनओसी अभी उपलब्ध नहीं है जिसको लेकर संबंधित को निर्देशित किया गया है जल्द से जल्द प्रक्रिया पूर्ण कराकर एनओसी उपलब्ध करा लें। निरीक्षण के दौरान अस्पताल के एसएन सीयू के आसपास विभिन्न सुविधाओं के साथ व्यवस्था पाई गई जिसको लेकर संबंधित विभाग को अवगत कराया गया जल्द ही इसमें सुधार कर नए सिरे से व्यवस्था उपरोक्त कारण जिससे कि भविष्य में किसी भी प्रकार से कोई अनहोनी ना हो पाए इस दौरान नोडल अधिकारी कीर्ति आजाद बिना के नेतृत्व में सभी जगह का निरीक्षण करते हुए संबंधित जानकारी से अवगत कराया और तत्काल जो सुविधा पाई गई उनको जल्द से जल्द सुधार करने को बतलाया गया इस मौके पर सीएमएस बी सागर,द्वितीय अग्निशमन अधिकारी करन सिंह यादव, डॉ बी के श्रीवास्तव, सनी राज सरोज फायरमैन ,चंचल आदि लोग उपस्थित रहे।

डीसीएम ने मारी ठोकर, मौके पर मौत

फाजिलनगर। जनपद के तुर्कपट्टी थाना क्षेत्र के राष्ट्रीय राज मार्ग 28 जोकवा बाजार में सड़क पार कर रही युवती को डीसीएम ने ठोकर मार दी। जिसमे युवती की मौके पर मौत हो गई। डीसीएम चालक गाड़ी छोड़ फरार हो गया। पुलिस लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज कर विधिक कार्यवाही में जुट गई है।जानकारी के अनुसार देवरिया जनपद के महुवा पाटन बाजार निवासी ब्यूटी कुमारी उम्र 25 वर्ष तुर्पपट्टी थाना क्षेत्र के गुरवालिया अपने मामा के घर कुछ दिनों पूर्व आई हुई थी। मंगलवार की सुबह दवा लेने गांव से निकली और जोकवा बाजार में पहुंच फाजिलनगर सवारी के लिए सड़क पार कर रही थी कि तेज रफ्तार आ रही डीसीएम ने ठोकर मार दी। जिसमें युवती की मौके पर मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस मौके पर पहुंच लाश को कब्जे में लेकर परिजनों को सूचित कर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा कर विधिक कार्यवाही में जूट गई है।

मनीष बने मुख्य सतर्कता अधिकारी

लखनऊ(आरएनएस) बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग के प्रो. मनीष कुमार वर्मा को विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा मुख्य सतर्कता अधिकारी (ब्टव्) के रूप में नियुक्त किया गया है। प्रो. वर्मा के पास अम्बेडकर स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज के संकायाध्यक्ष और समाजशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष के रूप में भी महत्वपूर्ण दायित्व हैं।प्रो. वर्मा की इस नई जिम्मेदारी के लिए विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों के संकायाध्यक्षों, विभागाध्यक्षों, शिक्षकों, गैर शिक्षण कर्मचारियों, शोधार्थियों और विद्यार्थियों ने उन्हें हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं।

किसानों से वसूला गया जुर्माना

सीतापुर। वायु प्रदूषण को लेकर प्रशासन ने पराली जलाने के मामले में सख्ती से कदम उठाए हैं। जिले में अभी तक करीब 20 किसानों पर पराली जलाने के मामले में एक्शन लिया गया है। इन किसानों से प्रशासन ने 25000 रुपये का जुर्माना वसूला है। बार–बार पराली जलाने वाले कि।सानों की सम्मान निधि और गन्ना पर्ची रोकने पर भी शासन द्वारा गंभीरता से विचार किया जा रहा है।

छात्राओं को किया गया प्रशिक्षित

सीतापुर। महारानी लक्ष्मीबाई जयंती के अवसर पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा'' मिशन साहसी '' कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसके अंतर्गत जिले के सीतापुर नगर , लहरपुर , बीहट गौर, महोली नगर इकाइयों पर छात्राओं को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण दिया गया । अनुभवी ट्रेनरों द्वारा छात्राओं को प्रशिक्षित किया गया । ट्रेनर द्वारा बताया गया कि आत्मरक्षण की जानकारी होने से शोहदों , चोर उचक्कों से स्वयं की रक्षा की जा सकती है। उन्होंने कहा कि आए दिन हो रही घटनाओं को भी कम किया जा सकता है । जिला संयोजक अभिषेक बाजपेयी ने बताया कि आज के समय में महिलाएं पुरुषों से आगे बढ़कर समाज की चुनौतियों को पटकने का काम कर रही है। आज की नारियों में ममत्व से समत्व की यात्रा परिलक्षित होती है। विगत कई वर्षों से विभिन्न विद्यालयों के परिसर में छात्राओं को आत्मरक्षण का प्रशिक्षण दिया जा रहा है । कार्यक्रम में विद्यालयों के जिला संयोजक अभिषेक बाजपेई , नगर मंत्री अलखकांत श्रीवास्तव , नगर सह मंत्री अनुराग मिश्रा , रोहित अवस्थी , सत्यम श्रीवास्तव , हर्षित पांडेय , शिवम् वर्मा , अमित नाग , अभीजीत गौर आदि कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही ।

जन्मोत्सव मना भावविभोर हुए श्रद्धालु

धनपतगंज सुल्तानपुर (आरएनएस)। पूरे पंडित आचार्य में चल रही सात दिवसीय भागवत कथा के चौथे दिन कथाव्यास मधुर जी ने समुद्र मंथन, बलिवामन चरित्र और श्रीकृष्ण जन्म की कथा का श्रावण कराया। बलिवामन चरित्र के अंतर्गत पूज्य महाराज जी ने बताया कि जीवन में ऐसा समय न आए कि आपको किसी से कुछ मांगना पड़े, क्योंकि किसी से कुछ मांगने के लिए आपको छोटा बनना पड़ेगा। भगवान स्वयं जब बलि के यहां तीन पग भूमि मांगने के लिए गये तो विराट स्वरूप में नहीं बल्कि वामन रुप। भगवान से हमें प्रार्थना करनी चाहिए कि हम पर इतनी कृपा करें कि कभी किसी से कुछ मांगना न पड़े।

स्वंय की खोज पुस्तक का किया गया विमोचन

अयोध्या। अयोध्या शहर के एक होटल में स्वयं की खोज पुस्तक का विमोचन किया गया। मुख्य अतिथि नाका हनुमान गढ़ी के मंहत रामदास व भाजपा विधायक रामचंद्र यादव रहे। राजस्थान के वेदांग गुरुकुलम प्रचारक चेतनानंद के द्वारा लिखित पुस्तक में भौतिकता से आध्यात्मिकता का दर्शन मिलता है। चेतनानंद ने बताया कि संतो के साथ रहकर यात्राओं के माध्यम से एवं तमाम ग्रंथों का अध्ययन करने के बाद, अपने 40 वर्ष की अनुभव को लगभग नौ माह में यह पुस्तक लिखी है। फिर मेरे मन में विचार आया इस पुस्तक का विमोचन भगवान राम की नगरी अयोध्या में भी करेंगे और आज मेरा सपना पूरा हुआ। मैं लगभग 6 साल से सद्गुरु रितेश्वर महाराज के सानिध्य में है मुझे उनसे बहुत कुछ सीखने को मिला है। संतों का धरती पर विशेष महत्व है यदि संत इस पृथ्वी पर नहीं होते तो सनातन नहीं होता संतों का आदर करना चाहिए। हम सभी ईश्वर की संतान हैं यह किताब हमें प्रेरणा देगी कि आध्यात्मिक रास्ते पर कैसे चले इंसान जागे और स्वयं की खोज करें भौतिक जीवन की यात्रा करते हुए अपने आप को पहचाने। यह किताब महज किताब ही नहीं एक जीवन बदलने वाला यंत्र भी है। रुदौली विधायक रामचंद्र यादव ने कहा कि अयोध्या की धरती पर चेतनानंद का स्वागत है जिन्होंने ने वर्षों के प्रयास से एक ग्रंथ के रूप में पुस्तक उपलब्ध कराई है।

छात्रों ने की चित्रगुप्त धाम पर आरती

सुलतानपुर (आरएनएस)। राजकीय मेडिकल कॉलेज प्रथम बैच के सभी छात्र छात्राओं ने शहर के सीताकुण्ड स्थित चित्रगुप्त धाम पहुंच कर सामूहिक आरती की व प्रसाद ग्रहण किया। देव दीपावली व कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर मेडिकल कॉलेज सभी सौ छात्र प्राचार्य डॉ सलिल श्रीवास्तव व लेक्चरर डॉ पवन के नेतृत्व में सीताकुण्ड धाम भ्रमण पर आया था। छात्रों ने गोमती मित्र मंडल व सेवा भारती के संयोजन में आयोजित दीपदान महोत्सव में प्रतिभाग किया। आदि गंगा गोमती की आरती कीव प्रसाद ग्रहण किया। बाबा खाटू श्याम दादी राणी सती और बाला जी महाराज के दर्शन किये। अंत में धाम पहुंचकर सभी छात्रों ने वैश्विक न्यायाधीश भगवान चित्रगुप्त महाराज की सामूहिक आरती की और प्रसाद ग्रहण किया।

भरवारी विनियमित क्षेत्र घोषित

कौशाम्बी। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने बताया है कि शासन द्वारा जनपद कौशाम्बी की मंझनपुर एवं भरवारी विनियमित क्षेत्र घोषित है। जिसमें नगर पालिका परिषद, भरवारी एवं मंझनपुर सहित विनियमित क्षेत्र के अन्तर्गत आने वाले 46 ग्राम (तहसील मंझनपुर–मौजा मंझनपुर, खोरा, भेलखा, गौसपुर टिकरी, ओसा, कोड़र, पाता, गौरा, बंधवा रजबर, फरीदपुर, बबुरा, समदा व रामपुर बसोहरा कुल 13 गांव) (तहसील सिराथू मौजा असकरनपुर, कोरों, भड़ेसर, बिछौरा, बड़नपुरकादीपुर, बिसारा, चक कयामतपुर, रामपुर सुहेला, रामपुर सुहेला उर्फ अल्लीपुर, रसूलपुर गिरछा, सिंधिया आमद करारी, चमन्धा, चक चमरूपुर व कोखराज उपरहार, कुल 14 गांव) तथा (तहसील चायल–मौजा ईनामपुर, मकदूमपुरकाजी, साखा बरीपुर, शाहपुर कौड़ा, मारूफपुर, मलिकपुर महेवा, सिरोही उपरहार, रसूलपुर काजी, सैता, कशिया, पल्हाना उपरहार, सकाढ़ा उपरहार, धन्नी, आदमपुर, रोही, फरीदपुर टप्पा, चक सईगंज, मोहम्मदपुर असवां व परसरा, कुल 19 गांव) आते हैं। यहाँ पर बिना मानचित्र स्वीकृत कराये बड़े पैमाने पर व्यावसायिक एवं आवासीय भवनों का अवैध निर्माण किया जा रहा है। इसमें भू–माफियाओं द्वारा अनुचित धनार्जन के उद्देश्य से बड़े पैमाने पर काश्तकारों की भूमि को कृषि दर से खरीद कर अवैध कालोनियॉ विकसित की जा रही हैं, जिनमें मानक के अनुरूप जनसुविधाओं यथा–पेयजल, पार्किंग, विद्युत, जल निकासी, आवागमन व सीवरलाइन आदि की समुचित व्यवस्था का सर्वथा अभाव होता है, जिससे भविष्य में महानगर योजना तैयार करने में गम्भीर समस्या उत्पन्न होगी। जिलाधिकारी ने जनसामान्य से अपेक्षा की है कि आवासीय, व्यावसायिक प्लाट खरीदने से पहले कालोनी का एप्रूव्ड ले–आउट प्लान अवश्य देख लें। विनियमित क्षेत्र के अन्तर्गत बिना ले–आउट पास कराये अवैध कालोनियां विकसित करने वालों के विरुद्ध विधिसंगत कार्यवाही की जायेंगी। इसी प्रकार बिना भवन मानचित्र स्वीकृत कराये अवैध रूप से भवन निर्माण कराने पर विद्युत एवं पेयजल का कनेक्शन नहीं दिया जायेंगा तथा ऐसे अवैध भवनों का नगर पालिका परिषद में पंजीकरण भी नहीं होगा। साथ ही ऐसे अवैध निर्मित, निर्माणाधीन भवनों को चिन्हांकित कर नियमानुसार वैधानिक कार्यवाही भी सुनिश्चित की जायेंगी।

पचास साल पुराने संघ कार्यालय का होगा पुनर्निर्माणं

अयोध्या। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पांच दशकों पुराना संघ कार्यालय का पुनर्निर्माण शुरू हो गया। सोमवार को वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूरे विधि विधान के साथ भूमि पूजन का कार्यक्रम संपन्न हुआ। संघ के अयोध्या विभाग के सह संघचालक मुकेश तोलानी ने सपत्नीक भूमि पूजन किया। इस अवसर पर श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के ट्रस्टी डा. अनिल मिश्रा ने कहा कि शहर के मध्य स्थित नानकपुरा संघ कर्यालय जनपद का सबसे प्राचीन कार्यालय है जब फैजाबाद और अंबेडकर नगर जिला एक ही था उस समय नानक पुरा कार्यालय से ही संघ की पूरी गतिविधि संचालित होती थी। संघ 100 वर्ष पूर्ण कर रहा है। अपने शताब्दी वर्ष में संघ का नवीन कार्यालय तैयार हो जाएगा। उन्होंने बताया कि आने वाले दिनों में चौरासी कोसी परिक्रमा का दायरा अयोध्या का होगा। अवध प्रांत के प्रचारक कौशल जी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि संघ के शताब्दी वर्ष में पूरे अवध प्रांत के प्रत्येक जिलों में अपना कार्यालय तैयार करने का लक्ष्य लिया है। वर्तमान समय में 11 कार्यालयों नवनिर्मित है अयोध्या के देवकाली क्षेत्र में बना कार्यालय साकेत निलयम प्रशासनिक व यात्री निवास है। नानकपुरा का यह कार्यालय अयोध्या विभाग व महानगर का होगा। जिससे संघ के कार्यों में और अधिक गुणवत्ता बढ़ेगी। कार्यक्रम में अयोध्या के कई सम्मानित संत उपस्थित रहे जिनका आशीर्वचन भी प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ महानगर संघचालक प्रोफेसर विक्रम पांडे सहसंघ चालक अजय मोहन महानगर कार्यवाह देवेंद्र , राहुल , सूरज , महानगर प्रचारक सुदीप ,महानगर व्यवस्था प्रमुख सुधीर, सह प्रमुख विवेक , अवनी मनोज , और विभाग के अधिकारियों विभाग प्रचारक कृष्ण जी विभाग सेवा प्रमुख बालेंद्र जी, के साथ प्रांतीय अधिकारी सह प्रांत प्रचारक संजय ,प्रांत संपर्क प्रमुख गंगा सिंह , उपस्थित रहे एवं और पूर्व सांसद से लल्लू सिंह, मेयर मा. गिरीश पति, महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव संघ के महानगर, विभाग के कार्यकर्ताओं के अलावा अनुषांगिक संगठनों के पदाधिकारी मौजूद रहे।

मनाई वीरांगना ऊदा देवी की पुण्यतिथि

सुल्तानपुर (आरएनएस)। जिला कांग्रेस कार्यालय पर स्वतंत्रता संग्राम सेनानी वीरांगना ऊदा देवी पासी की कांग्रेसियों ने पुण्यतिथि मनाई। कांग्रेस जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा, शहर अध्यक्ष शकील अंसारी व अन्य कांग्रेसी नेताओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया। तत्पश्चात संगोष्ठी का आयोजन कर आजादी की लड़ाई में उनके द्वारा किए गए संघर्षों पर प्रकाश डाला गया। कांग्रेस जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा ने कहा कि वीरांगना ऊदा देवी पासी ने 1857 की लड़ाई में साहस का परिचय दिया था। अवध के नवाब को जब अंग्रेजों ने बंदी बना लिया था, तब नवाब की पत्नी बेगम हजरत महल ने वीरांगना ऊदा देवी पासी की मदद से अंग्रेजों के विरुद्ध लड़ाई लड़ने के लिए महिलाओं की टोली बनाई जिसका नेतृत्व ऊदा देवी पासी ने किया। वीरांगना ऊदा देवी पासी ने 1857 की लड़ाई में अंग्रेजों के छक्के छुड़ा दिए थे उनके इस योगदान को देश कभी नहीं भूलेगा। शहर अध्यक्ष शकील अंसारी ने कहा कि वीरांगना ऊदा देवी पासी नवाब वाजिद अली शाह के महिला दस्ते के सदस्य रही। सिकंदराबाग पर ब्रिटिश सैनिकों ने जब चढ़ाई कर दी तब बदला लेने के लिए उदा देवी ने अदम साहस दिखाते हुए 16 नवम्बर 1857 को 36 अंग्रेज सैनिकों को मौत के घाट उतार दिया था। इस मौके पर वरिष्ठ नेता हरीश त्रिपाठी, जिला प्रवक्ता नफीस फारुकी,अमोल बाजपेई, इमरान अहमद, ओम प्रकाश दुबे, आवेश अहमद आदि लोग मौजूद रहे।

कैंसर के जागरूकता पर आधारित सेवा का शुभारंभ

सुल्तानपुर । नेशनल मेडिकोज आर्गेनाइजेशन के संयोजन में आयोजित दो दिवसीय भारत भूषण महामना पंडित मदन मोहन मालवीय स्वास्थ्य सेवा यात्रा 26 ध्27 अक्टूबर 2024 का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर स्वशासी राजकीय मेडिकल कॉलेज दुबेपुर के परिसर मेंआईएमएस बीएचयू के निदेशक प्रोफेसर संखवार एवं पूर्वी क्षेत्र सेवा प्रमुख युद्ध वीर डॉ सुभाष सिंह द्वारा किया गया। चिकित्सा सेवा यात्रा सुल्तानपुर और अमेठी में 27 अक्टूबर को एक साथ 12 जगह पर आयोजित की जा रही है नमो के अध्यक्ष वरिष्ठ बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. एएन सिंह ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि सेवा से बढ़कर कोई कार्य नहीं है आज हमारे देश से कोई विदेश इलाज कराने नहीं जाता। नमो के क्षेत्रीय अधिकारी डॉ. विशंभर ने कहा कि सिखाने नहीं सीखने के लिए कार्यक्रम होता है सेवा हम सब कर रहे हैं स्वास्थ्य सेवा राष्ट्र सेवा होती हैं हम मलिन बस्ती को सेवा बस्ती कहते है जहां लोग जाने से डरते हैं वहां हम लोग कार्य करते है। मुख्य वक्ता के रूप में पधारे युद्ध वीर ने ओजस्वी उद्बोधन देते हुए कहा कि मन में संकल्प होना चाहिए सेवा चार प्रकार की होती है तात्कालिक सेवा निरन्तर सेवा जीवन रक्षक सेवा जीवन निर्माण सेवा होती है निरन्तर सेवा वाले लोग सभी तरह की सेवा करते हैं मरीजों से व्यवहार की वजह से बहुत सी बीमारियां बिना दवा के सही हो जाती हैं हमको भगवान की तरह सेवा करनी चाहिए डॉ. भगवान का दूसरा रुप होते है संगठन से जुड़ने पर हम समाज के हो जाते है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पधारे प्रोफेसर डॉक्टर शंखवार ने कहा कि संगठन का महत्व एकता में है जबतक हम शिक्षित नहीं होंगे तब तक कैसे हमारे समाज का विकास होगा बच्चों आ ही देश के भविष्य हो आप कैसे सहयोग कर सकते हैं यह आपको करना है एनएमओ संगठन हम सभी को सेवा करना सीखाती है। प्रांत अध्यक्ष व विभाग संचालक जौनपुर डॉ. सुभाष ने कहा कि नेशनल मेडिकोजऑर्गेनाइजेशन एक ऐसा संगठन है जिससे हमारी प्रतिभा में निखार आता है। धर्म राष्ट्र अपनों की कीमत जानने की जरूरत है मानवीय मूल्यों का जैसे जैसे ह्रास हुआ उससे हमारा समाज अछूता नहीं रहा अपने बच्चों में संस्कार की जरूरत है सबको मिल कर कार्य करना है जिसमें मात्र संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अलावा सेवा भारती आरोग्य भारती एकल अभियान का सहयोग है। इस बार चिकित्सा यात्रा में मुख्य रूप से मुंह एवं स्तन के कैंसर के जागरूकता पर आधारित है।

भाजपा की सक्रिय सदस्यता कार्यशाला का हुआ आयोजन

चित्रकूट। भारतीय जनता पार्टी के सदस्यता अभियान की जिला स्तरीय सक्रिय सदस्यता कार्यशाला सोमवार को जिला पंचायत सभागार में सम्पन्न हुई।

कार्यशाला के मुख्य अतिथि क्षेत्रीय महामंत्री, सदस्यता प्रमुख व सदस्यता सत्यापन प्रमुख रामकिशोर साहू, विशिष्ट अतिथि जिला सदस्यता सत्यापन प्रमुख ब्रजकिशोर गुप्ता मौजूद रहे। जिलाध्यक्ष लवकुश चतुर्वेदी ने अध्यक्षता की। क्षेत्रीय महामंत्री ने कहा कि 2047 में विकसित भारत निर्माण के संकल्प के साथ निरंतर बढ़ रहे हैं। मजबूत भारत के लिए सशक्त भाजपा जरूरी है। हर मोर्चे को 15 से 30 अक्टूबर तक टार्गेटेड मेम्बरशिप करनी है। मोर्चे में ज्यादा से ज्यादा लोगो को भाजपा परिवार से जोड़ें। कोई भी बूथ और कोई भी वर्ग सक्रिय सदस्यों से अछूता न रह जाए। सक्रिय सदस्य हर वर्ग, जाति से बने। प्रत्येक कार्यकर्ता को काम में सहभागी बनाना ही संगठनात्मक कार्य है। प्रत्येक कार्यकर्ता सक्रिय सदस्यता का फार्म भरकर उसकी पावती जरूर ले। विशिष्ट अतिथि ने कहा कि आनलाइन सदस्यता ही मान्य होगी। सदस्यता आफलाइन हुई है उसे आनलाइन करने की व्यवस्था की जाए। हर मण्डल में सदस्यता सत्यापन प्रमुख बनाना है। जिलाध्यक्ष ने कहा कि मण्डल के प्रत्येक बूथ पर प्रवास करके भाजपा सदस्य बनाना है।

औचक निरीक्षण कर दिये आवश्यक दिशा–निर्देश

कौशाम्बी। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी द्वारा प्राथमिक विद्यालय–यूसुफपुर, नन्दा का पुरवा एवं मोहम्मदाबाद तथा उच्च प्राथमिक विद्यालय मोहम्मदाबाद एवं पुरखास का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने विद्यालयों के निरीक्षण के दौरान डिजिटल उपस्थिति रजिस्टर, अध्यापकों की उपस्थिति, छात्र–छात्राओं की उपस्थिति, साफ–सफाई एवं भोजन की गुणवत्ता सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को देखा। उच्च प्राथमिक विद्यालय पुरखास के निरीक्षण के दौरान विद्यालय में प्रार्थना करायी जा रही थी, विद्यालय में 09 अध्यापक एवं एक चतुर्थ कर्मचारी तैनात है, जिसमें से मात्र 02 अध्यापक ही उपस्थित पाये गये। विद्यालय में नामांकित 613 के सापेक्ष मात्र 235 छात्र– छात्रायें ही उपस्थित पाये गये। इ0प्र0अ0 अनीता द्विवेदी, सहायक अध्यापक ऋषि कुमार दिवाकर एवं सहायक अध्यापक कमला देवी सीएल पर थी, जो अस्वीकृत था। सहायक अध्यापक सुनीता केसरवानी सीसीएल पर थी। निरीक्षण के दौरान सहायक अध्यापक नीतू सिंह एवं विभा पटेल विद्यालय में उपस्थित पायी गई। जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए विद्यालय में पायी गयी कमियों को दूर कराने एवं कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश सम्बन्धित को दियें। इसी प्रकार प्राथमिक विद्यालय–यूसुफपुर के निरीक्षण के दौरान सहायक अध्यापक दुर्जन सिंह, अजय कुमार, बृजेश सिंह एवं शिक्षा मित्र आयास अहमद उपस्थित पाये गये, जबकि स0अ0 प्रभाकर सिंह सीएल पर थे। विद्यालय में नामांकित 145 छात्र– छात्राओं के सापेक्ष मात्र 91 छात्रध्छात्रायें उपस्थित पायी गई। जिलाधिकारी ने प्रधानाध्यापक को निर्देशित करते हुए कहा कि बच्चों को टैबलेट के माध्यम से भी शिक्षि प्रदान की जाय। उच्च प्राथमिक विद्यालय मोहम्मदाबाद के निरीक्षण के दौरान विद्यालय में नियुक्त स0अ0–अंशमान सिंह, आराधन तिवारी, अनिल सरोज, विकास यादव, प्रगति साहू, अनिल वर्मा एवं शिक्षामित्र सविता विद्यालय में पढ़ाते हुए पाये गये। जबकि चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी कमला कांत अनुपस्थित पाये गये।

जिलाधिकारी क्लास रूम में पहुॅचकर बच्चों से कुछ प्रश्न भी पूछे, जिसका बच्चों द्वारा सही जवाब दिया गया। विद्यालय में नामांकित 322 बच्चों के सापेक्ष मात्र 276 बच्चें ही उपस्थित पाये गये। प्राथमिक विद्यालय नन्दा का पूरा के निरीक्षण के दौरान प्रधानाध्यापक सचिन भाई पटेल, स0अ0–पंकज यादव, अभिराम सिंह, चन्द्रमणि तिवारी एवं शिक्षामित्र–आयशा कौशर एवं चिन्ता सिंह विद्यालय में उपस्थित पाये गये।

धर्म प्रमाण पत्र के लिए तहसील में भटकते रहे युवा, आक्रोश व्याप्त

बल्दीरायध्सुल्तानपुर। सेना में भर्ती देखने के लिए सैकड़ो की संख्या में युवा दिन भर तहसील के चक्कर काटते रहे वही तहसील स्तर के अधिकारी भी अजीब पसोपेश में है कि धर्म प्रमाण पत्र जारी करें कि नही।सेना ने युवा बेरोजगारों के भर्ती निकाली है जो 20,21 नवम्बर को सागर, पिथौरागढ़, दानापुर में टेरिटोरियल आर्मी जोन–2 में भर्ती होनी है। जिसमें भर्ती बोर्ड की तरफ से रिलिजियस सर्टिफिकेट (धर्म प्रमाण पत्र) अनिवार्य किया गया है। धर्म प्रमाण पत्र बनवाने के लिए सुबह से सैकडों युवा तहसील में डटे रहे। इस सबंध में तहसीलदार अरविंद तिवारी ने बताया कि त्रुटिवश पूर्व में कुछ प्रणाम पत्र जारी हो गए थे जिसके निरस्त्रीकरण की नोटिस नोटिसबोर्ड पर चस्पा कर दी गई।

नोटिसबोर्ड पर नोटिस देख कर युवा आंदोलित होकर नारेबाजी करने लगे तो तहसीलदार ने उन्हें समझाया कि धर्म प्रमाण पत्र जारी करने का हमको कोई ऊपर से आदेश नही हुआ है।आगे तहसीलदार ने बताया कि हमको सिर्फ आय,जाति, निवास प्रमाण पत्र जारी करने की पावर है। धर्म प्रमाण पत्र के बाबत उपजिलाधिकारी बल्दीराय आईएएस गामिनी सिंगला ने बताया कि जो प्रमाण पत्र पूर्व में भूलवश जारी कर दिए गए है उसको निरस्त करने की सूची चस्पा कर दी गई है।

सेंट जॉन्स अकादमी वार्षिक खेल दिवस।

प्रयागराज। सेंट जॉन्स अकादमी के मध्यम और निम्न वर्ग के लिए वार्षिक खेल प्रतियोगिता के अवसर पर एक एक्शन से भरपूर उत्सव मनाया गया। इस अवसर पर एनसीसी प्रयागराज के ग्रुप कमांडर ब्रिगेडियर उपेंद्र सिंह कंडील, लेफ्टिनेंट कर्नल एलबी सिंह और नौसेना एनसीसी के लेफ्टिनेंट कमांडर प्रोफेसर डॉ. अजीन रे की उपस्थिति रही। यह रोमांचक दिन सकल मोटर कौशल और मानसिक चपलता पर केंद्रित था, साथ ही नेतृत्व, समन्वय और जीवन कौशल को बढ़ावा दिया गया। अभिनव खेल गतिविधियों और विभिन्न ट्रैक स्पर्धाओं के माध्यम से, छात्र स्वस्थ प्रतिस्पध र्ा में शामिल हुए, टीमवर्क, संचार, फिटनेस के प्रति आजीवन प्रेम के लिए लचीलापन के मूल्यों को अपनाया।

जनसमस्याओं पर 'सम्भव' सुनवाई

प्रयागराज। नगर आयुक्त उनके अधीनस्थ अधिकारियों द्वारा नगर क्षेत्र

नागरिकों की जन समस्याओं पर 'सम्भव' जनसुनवाई करते हुए त्वरित निस्तारण कराये जाने के निर्देश के क्रम में आज दिनांक– 26 नवम्बर 2024 को नगर आयुक्त नगर निगम चन्द्र मोहन गर्ग द्वारा जन सुनवाई किया गया जिसमें कुल 26 शिकायतें प्राप्त हुई। जन शिकायतों के अविलम्ब गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराये जाने हेतु नगर आयुक्त द्वारा सम्बन्धित अधिकरियों को निर्देशित किया गया, एवं निर्देशित किया गया कि गुणवत्तापूर्ण शिकायतों का निस्तारण अविलम्ब कराया जाये। इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलिता न बरती जाय।

2.08 करोड़ की ठगी: योगी के मंत्री नंदी के बेटे के अकाउंटेंट से 2.08 करोड़ की ठगी का खुलासा, पांच गिरफ्तार

प्रयागराज। कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता के बेटे के अकाउंटेंट रितेश श्रीवास्तव से 2.08 करोड़ की साइबर ठगी का खुलासा हो गया है। पुलिस ने पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस का दावा है कि नेपाल और कंबोडिया से संचालित हो रहे गिरोह ने इस वारदात को अंजाम दिया था। पूरी रकम बरेली और बंगाल के कुल तीन खातों में ट्रांसफर की गई। इनमें से बरेली के खाते से 65 लाख रुपये देश भर के अलग–अलग खातों में भेजने वाले दो एजेंट भी गिरफ्तार आरोपियों में शामिल हैं। इन दोनों का नाम दिव्यांशू निवासी तिलक नगर, राजेश्वर होस्पिटल, थाना कंकणबाग पो. लाहिया नगर जिला पटना बिहार, पुलकित द्विवेदी निवासी 123 खंडेरायपुर बगली पिजारा थाना रानीपुर, जिला मऊ हैं। इसके अलावा तीन अन्य में खाताधारक

संजीव कुमार निवासी वीरपुर मकरूका थाना भोजी पुरा जिला बरेली, उसका साला सुरजीत सिंह निवासी ग्राम व पोस्ट इटउआ धुरा, थाना बहेड़ी जिला बरेली और एक अन्य विजय कुमार निवासी डंडिया बीरम नंगला थाना नवाबगंज जिला बरेली शामिल हैं। साइबर थाना पुलिस ने बताया कि जांच के क्रम में पता चला कि कुल तीन खातों में रकम ट्रांसफर की गई। इनमें से एक बरेली और दो कोलकाता के हैं। 65 लाख बरेली और शेष रकम कोलकाता के खातों में भेजी गई। बरेली के जिस खाते में रकम डाली गई, वह संजीव के नाम पर था। पकड़े जाने पर पता चला कि उसने पांच फीसदी कमीशन के लालच में अपने खाते का एक्सेस साले सुरजीत के माध्यम से विजय को दिया था। बाद में पता चला कि विजय ने एजेंटों दिव्यांशु व पुलकित के कहने पर ऐसा किया था। इसके बाद पांचों को गिरफ्तार लिया गया। नेपाल का सैम है सरगना पुलिस के मुताबिक, पूछताछ में दोनों एजेंटों ने बताया कि इस घटना को नेपाल व कंबोडिया से संचालित हो रहे गिरोह ने अंजाम दिया। इस गिरोह का सरगना नेपाल का सैम है। सैम व उसके गिरोह के अन्य लोगों ने ही मंत्री के अकाउंटेंट से रकम ट्रांसफर कराई। इसके बाद उन दोनों ने बरेली के खाते में भेजी गई रकम को अलग–अलग खातों में ट्रांसफर किया। इसी तरह कोलकाता के दो खातों में भेजी गई रकम भी गिरोह के अन्य भारतीय एजेंटों ने अलग–अलग खातों में ट्रांसफर की। इसके बदले में एजेंटों को रकम का पांच फीसदी कमीशन मिलता है। ठगी की कुल रकम 2. 08 करोड़ में से केवल 12.22 लाख रुपये ही फ्रीज कराए जा सके हैं। यह कोलकाता के दो खातों में बची रकम है जबकि गिरोह ने बरेली के खाते में भेजी गई पूरी 65 लाख की रकम अलग–अलग खातों में ट्रांसफर कर दी। साइबर थाना पुलिस का कहना है कि बरेली के खाते में भेजी गई रकम का वारा–न्यारा करने वाले दो एजेंटों समेत पांच को गिरफ्तार कर लिया गया है। कोलकाता के दो खातों से रकम ट्रांसफर करने वालों का पता लगाया जा रहा है। 13 नवंबर को मंत्री के बेटे के अकाउंटेंट को एक अज्ञात वाट्सएप नंबर से मैसेज आया। इस अकाउंट की डीपी में मंत्री के बेटे की तस्वीर लगी थी। इस तरह मंत्री का बेटा बनकर अकाउंटेंट को मैसेज किया गया कि 'मैं एक मीटिंग में हूं और बिजनेस डील फाइनल कर रहा हूं। इसके लिए कुछ खातों के नंबर भेज रहा हूं। इसमें तीन बार में 2.08 करोड़ रुपये डालने को कहा गया। जिस पर अकाउंटेंट ने बताए गए खातों में रकम ट्रांसफर कर दी।

इरादतगंज से मानिकपुर तक तीसरी लाइन निर्माण परियोजना को मंजूरी मिली

प्रयागराज। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध यक्षता में आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति ने प्रयागराज (इरादतगंज) – मानिकपुर तीसरी लाइन (84 किमी) को मंजूरी दे दी है । प्रस्तावित मल्टी–ट्रैकिंग परियोजना से परिचालन आसान होगा और व्यस्ततम रेल मार्ग प्रयागराज (इरादतगंज) – मानिकपुर पर ढांचागत विकास होगा । इस परियोजना से उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जनपद की मध य प्रदेश के खंडवा एवं चित्रकूट जनपदों तक कनेक्टिविटी बढ़ेगी। प्रस्तावित परियोजनाओं से इस मार्ग पर अतिरिक्त यात्री ट्रेनों के संचालन से कनेक्टिविटी बढ़ेगी। यह रेलवे लाइन कृषि उत्पादों, उर्वरक, कोयला, इस्पात, सीमेंट, कंटेनर आदि जैसी वस्तुओं के परिवहन

के लिए आवश्यक मार्ग हैं। यह लाइन ईस्टर्न डेडीकेटेड फ्रेट कॉरीडोर के लिए फीडर का कार्य करेगी। जनसंपर्क अधिकारी प्रयागराज मंडल उत्तर मध्य रेलवे अमित कुमार सिंह ने बताया कि परियोजना से क्षमता वृद्धि कार्यों के परिणामस्वरूप 15.94 मिलियन टन प्रति वर्ष की अतिरिक्त माल ढुलाई होगी। रेलवे पर्यावरण अनुकूल और ऊर्जा कुशल परिवहन का साधन है, जिससे जलवायु लक्ष्यों को प्राप्त करने और देश की रसद लागत को कम करने में मदद मिलेगी । इस परियोजना से प्रतिवर्ष 85 करोड़ किलोग्राम ब्व2 उत्सर्जन कम होगा और 249 करोड़ रुपये का 3 करोड़ लीटर डीजल बचेगा । इस रेल खण्ड पर मालगाड़ियों के डिटेन्शन का समय 141 मिनट है, इस परियोजना के पूर्ण होने के बाद यह घटकर 30 मिनट हो जाएगा। रूट की लंबाई रू 84 किलोमीटर ट्रैक की लंबाई रू 100 किलोमीटर वर्तमान अनुमानित लागत रू 1507.73 करोड़ रुपये वर्तमान समापन लागतरू 1639.69 करोड़ रुपये लोडिंग में अपेक्षित वृद्धि रू15.94 मिलियन टन प्रति वर्ष उपलब्ध जमीन रू 149.42 हेक्टेयर (39 फीसदी) मौजूदा स्टेशन रू 12 प्रमुख पुल रू 30 छोटे पुल रू 57 रोड ओवर ब्रिज रू 1 रोड अंडर ब्रिज रू 5।

महाकुंभ के लिए जंक्शन पर बनाया गया छह बेड का मिनी अस्पताल

प्रयागराज। प्रयागराज जंक्शन पर अगर किसी यात्री की तबीयत आदि

खराब होती है तो उसका जंक्शन पर ही प्राथमिक उपचार होगा। जरूरत पड़ने पर उसे जंक्शन स्थित रेलवे के मिनी अस्पताल (ऑब्जरवेशन कक्ष) में भर्ती किया जाएगा। प्रयागराज जंक्शन पर महाकुंभ को लेकर छह बेड का एक मिनी अस्पताल बनाया गया है। प्रयागराज जंक्शन के सिटी साइड स्थित कोऑपरेटिव बैंक वाली बिल्डिंग में चिकित्सा सेवा के लिए ऑब्जरवेशन कक्ष स्थापित किया गया है। दरअसल, प्रयागराज में अगले वर्ष महाकुंभ मेले का आयोजन है। इस दौरान बड़ी संख्या में लोगों की ट्रेनों से आवाजाही होगी। ऐसे में अगर कोई यात्री बीमार होता है या किन्हीं कारणों से चोटिल होता है तो उसे जल्द से जल्द चिकित्सकीय सेवा मिले, इसके लिए रेलवे प्रशासन ने जंक्शन परिसर में ही छह बेड का एक मिनी अस्पताल बनाया है। इसमें किसी भी आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए यात्रियों को चिकित्सा सहायता देने के लिए ऑक्सीजन सिलिंडर, कन्संट्रेटर, ईसीजी मशीन ग्लूकोमीटर, डीप स्टैंड, पल्स ऑक्सीमीटर, नेबुलाईजर, स्ट्रेचर ट्रॉली, स्ट्रेचर फोल्डर आदि उपकरण उपलब्ध कराए गए हैं। प्रयागराज मंडल के पीआरओ अमित कुमार सिंह ने बताया कि महाकुंभ के दौरान यात्रियों की सेवा के लिए प्रयागराज जंक्शन, प्रयागराज छिवकी, नैनी और सूबेदारगंज स्टेशनों के सभी प्लेटफॉर्मों पर प्राथमिक चिकित्सा बूथ भी स्थापित किए जा रहे हैं। इन बूथों पर 24 घंटे चिकित्सा सेवा उपलब्ध होगी।

परीक्षार्थियों के आपस में बात करने पर केंद्र डिबार

प्रयागराज। यूपी बोर्ड की 2024 की परीक्षा के दौरान परीक्षार्थियों के आपस में बातचीत करने पर आगरा के श्री बाल मुकुंद आदर्श इंटर कॉलेज पनवारी, एनएच–दो को वर्ष 2025 की बोर्ड परीक्षा के लिए डिबार कर दिया गया। ऐसे ही अन्य अलग–अलग कारणों से बोर्ड ने प्रदेश में 229 केंद्रों को वर्ष 2025 की बोर्ड परीक्षाओं के लिए डिबार किया है। हालांकि, डिबार किए गए केंद्रों में बड़ी संख्या ऐसे परीक्षा केंद्रों की है, जिन्होंने इंटर व्यक्तिगत छात्रों के आवेदनपत्र भी अग्रसारित कर दिए। वहीं, 2023 की परीक्षा में एसकेवी आदर्श इंटर कॉलेज लभारी, बदायूं में एक कमरे में छात्र–छात्राएं ओएमआर शीट के प्रतिपर्ण को फाड़कर घर ले गए थे, जिसकी वजह से बोर्ड ने परीक्षा केंद्र को डिबार किया है। इसके अलावा 2022 की परीक्षा में प्रधानाचार्य के समय से उपस्थित न होने के कारण दो प्रश्नपत्रों की परीक्षाएं समय से शुरू नहीं कराई जा सकीं और इसकी वजह से हरद्वारी लाल सरस्वती बाल विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, अलीपुर ऐरा, लखीमपुर खीरी को डिबार करने का निर्णय गया है। वहीं, इंटरमीडिएट संस्थागत परीक्षा में एक छात्र को दो बार वर्ष 2017 व 2019 में उत्तीर्ण किए जाने पर सेंट ख्वाजा गरीब नवाज इंटर कॉलेज मसूर माफी शाहबाजपुर कलां, संभल को डिबार किया गया। कई ऐसे परीक्षा केंद्रों को भी डिबार किया गया है, जिनकी सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग देखने से पता चला कि परीक्षार्थी आपस में बात कर रहे थे। बोर्ड ने इन गतिविधियों को सामूहिक नकल की श्रेणी में रखते हुए कार्रवाई की। ऐसे केंद्रों में लार्ड कृष्णा इंटर कॉलेज प्रेमीदास कुट्टी बहराइच, आचार्य विनोद कुमार मदन गोगाल इंटर कॉलेज कटघरी सुग्रीव सिंह बहराइच आदि केंद्र शामिल हैं।

मॉरीशस सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज महाकुंभ में बनेंगे संन्यासी

प्रयागराज। संगम तट पर लगने वाले विश्व के सबसे बड़े सांस्कृतिक समागम महाकुंभ की गूंज मॉरीशस की राजधानी पोर्ट लुइस तक है। पोर्ट लुइस में सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति जगदीश ने पंच दशनाम जूना अखाड़े में संन्यास धारण करने का एलान किया है। महाकुंभ में मोहमाया का परित्याग कर वह अपनी पत्नी के साथ विरक्ति की गंगा में डुबकी लगाएंगे। महाकुंभ से पहले भगवा चोले का गौरव सात समंदर पार बसने वाले दिग्गजों को भी प्रभावित कर रहा है। इस बार का महाकुंभ दिग्गजों के संन्यास ग्रहण करने का साक्षी बनेगा। जूना अखाड़े में दुनिया के कई देशों के सनातन प्रेमी संन्यास की दीक्षा लेंगे। इसके लिए जूना अखाड़े के माईबाड़ा में तैयारियां शुरू हो गई हैं। पर्चियां कटवाई जा रही हैं। पंच गुरुओं के नाम तय किए जा रहे हैं। अखाड़े की धर्म–ध्वजा के नीचे पूर्व न्यायमूर्ति जगदीश को संन्यासी बनाने के लिए पांच संस्कार पूरे किए जाएंगे। जूना अखाड़े की नेपाल की महामंडलेश्वर स्वामी हेमानंद गिरि ने बताया कि मॉरीशस सुप्रीम कोर्ट के जज जगदीश अपनी पत्नी के साथ संन्यास ग्रहण करेंगे। इसके लिए दीक्षा संस्कार की रस्म जनवरी में ही शुरू हो जाएगी।

सवा दो अरब की परियोजनाओं की सौगात देंगे सीएम योगी

प्रयागराज। बुधवार को आ रहे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का कार्यक्रम स्वच्छ और सुरक्षित महाकुंभ पर केंद्रित रहेगा। इस उद्देश्य से वह दो अरब 27 करोड़ 68 लाख रुपये की परियोजनाओं का लोकार्पण करेंगे। वह नगर निगम के कंट्रोल रूम का लोकार्पण करने के साथ उसका निरीक्षण भी करेंगे। परेड मैदान में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री स्वच्छता की शपथ भी दिलाएंगे। मुख्यमंत्री का हेलिकॉप्टर पुलिस लाइन में सुबह करीब पौने ग्यारह बजे उतरेगा। वहां से वह इलाहाबाद विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में शामिल होने के लिए जाएंगे। इसके बाद सर्किट हाउस में करीब पौने एक घंटा रहेंगे। फिर नगर निगम मुख्यालय में शहर की स्वच्छता व्यवस्था तथा निस्तारण प्रक्रिया पर निगरानी के लिए बने कंट्रोल रूम का निरीक्षण करेंगे। साथ ही लोकार्पण करेंगे। कंट्रोल रूम के निर्माण में करीब 4.30 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं। मुख्यमंत्री इस मौके पर पीएमसी 24'7 मोबाइल एप, वेबसाइट तथा जन सुविधा केंद्र का भी लोकार्पण करेंगे। इसके बाद वह बक्शी बांध फ्लाईओवर, नागवासुकि मंदिर, गंगा

रिवर फ्रंट रोड, गंगा नदी में हो रहे ड्रेजिंग कार्य, पांटून पुलों का निर्माण आदि कार्यों का निरीक्षण करेंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री परेड स्थित सभा स्थल पर पहुंचेंगे तथा 50.38 करोड़ रुपये के स्वच्छता उपकरणों का लोकार्पण करेंगे। साथ ही स्वच्छता वाहनों को हरी झंडी दिखाएंगे। मुख्यमंत्री इस मौके पर 173 करोड़ रुपये की लागत वाले फायर, जल पुलिस, रेडियो तथा यातायात उपकरणों का भी लोकार्पण करेंगे।आयोजन के बाद दिन में करीब चार बजे मुख्यमंत्री लखनऊ के लिए रवाना होंगे। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम की तैयारियों की करेंगे समीक्षा प्रयागराज। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 13 दिसंबर को आ रहे हैं। वह शृंगवेरपुर धाम में निषाद पार्क, भगवान राम एवं निषादराज की गले मिलते प्रतिमा तथा घाट का लोकार्पण करेंगे। इसके बाद संगम, प्रधानमंत्री बड़े हनुमानजी, अक्षयवट, पातालपुरी में दर्शन पूजन करेंगे। संगम पर आयोजित कार्यक्रम में सभा को संबोधित करेंगे। इस मौके पर प्रधानमंत्री 6500 करोड़ रुपये की 150 से अधिक निर्माण परियोजनाओं का लोकार्पण करेंगे। मुख्यमंत्री बुध वार को प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के मद्देनजर संगम का निरीक्षण करेंगे तथा तैयारियों को परखेंगे। मुख्यमंत्री का सर्किट हाउस में दिन में 12.30 से 1.15 बजे तक का कार्यक्रम आरक्षित है। माना जा रहा है कि इस दौरान वह महाकुंभ तथा प्रधानमंत्री के कार्यक्रम की तैयारियों की बाबत जानकारी लेंगे। मुख्यमंत्री 2500 स्वच्छाग्रहियों तथा 15 हजार सफाई कर्मियों को किट प्रदान करेंगे। इनके अलावा तीन हजार नाविकों को लाइफ जैकेट प्रदान करेंगे। इसके अलावा महाकुंभ में कार्यरत 10 हजार सफाईकर्मियों एवं तीन हजार नाविकों समेत कुल 15 हजार लाभार्थियों को दो लाख रुपये का बीमा प्रमाण पत्र भी वितरित करेंगे। हालांकि, मुख्यमंत्री प्रतिकात्मक रूप से हर वर्ग के पांच–पांच लाभार्थियों को सर्टिफिकेट देंगे।

मानसिक अवसाद को दूर करने में भी कारगर है दूध

प्रयागराज। बेहतर स्वास्थ्य के लिए दूध का सेवन उत्तम माना जाता है। इसका उपयोग किसी न किसी रूप में जन्म से शुरू हो जाता है। उम्र के अनुसार इसकी मात्रा बदलती रहती है। दूध हर घर की जरूरत है। छोटे बच्चे हों या बुजुर्ग दूध का सेवन हर कोई करता है। दूध के प्रति जागरूकता के लिए मंगलवार को राष्ट्रीय दुग्ध दिवस मनाया जाएगा। यह दिवस श्वेत क्रांति के जनक डॉ. वर्गीस कुरियन की याद में उनकी जयंती पर मनाया जाता है। शुआट्स में फूड साइंस एंड डेरी टेक्नोलॉजी विभाग के असि. प्रोफेसर डॉ. शंकर सुवन सिंह ने बताया कि अध्ययन में पाया गया है कि उचित मात्रा में दूध के सेवन से अवसाद में कमी आती है। उन्होंने बताया कि दूध एक संपूर्ण आहार है जो स्वस्थ दुधारू पशुओं के लैक्टियल स्राव से प्राप्त होता है। गर्मी की अपेक्षा सर्दी में मेलाटोनिन की सांद्रता 74.7 फीसदी होती है। दूध में सेरोटोनिन और मेलाटोनिन के बनने में ट्रिप्टोफेन महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इससे तनाव और अवसाद दूर रहता है।

बरेली हादसे से सबक, पुलों पर लगाएं बैरियर

प्रयागराज। डीएम ने सेतु निगम के अधिकारियों से क्रेन की व्यवस्था करने लिए बरेली की घटना का संज्ञान लेकर काम करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जितने भी निर्माणाधीन ओवर ब्रिज हैं, सभी पर बैरियर लगाएं। जिलाधिकारी ने क्षेत्रीय पर्यटन अधि कारी से भारद्वाज आश्रम, मनकामेश्वर, वेणीमाधव, ललिता देवी आदि प्रमुख मंदिरों में बड़ी संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं के दृष्टिगत भीड़ नियंत्रण के बंदोबस्त के बारे में जानकारी दी।

संविधान की रक्षा से लोकतंत्र की स्थापना होती है।

प्रयागराज। महानगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष प्रदीप मिश्र अंशुमन के नेतृत्व में 26 नवंबर को संविधान दिवस महानगर कार्यालय चौक घंटाघर प्रयागराज में बहुत उल्लास एवं हर्ष के साथ मनाया गया। तत्पश्चात एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें कई वक्ताओं ने अपनी अपनी बात रखी, महानगर अध्यक्ष प्रदीप मिश्र अंशुमन ने कहा कि भारतीय संविधान को अपनी व्यापकता, समावेशिता और ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य के कारण विश्व में विशेष और अनोखा माना जाता है। भारतीय संविधान विश्व का सबसे लंबा लिखित संविधान है। भारतीय संविधान में सभी भारतीयों के लिए मौलिक अधिकारों की व्यवस्था की गई है जिसमें समानता का अधिकार, स्वतंत्रता का अधिकार , धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार ,शोषण के विरुद्ध अधिकार, सांस्कृतिक तथा शिक्षा संबंधित अधिकार ,संवैधानिक उपचारों के अधिकार मिले हैं संविधान के द्वारा ही एक मजबूत लोकतंत्र की स्थापना होती है एवं संवैधानिक संस्थाओं की रक्षा होती है जिससे गरीब, कमजोर वर्ग को न्याय मिलता है हमारे जननायक राहुल गांधी जी ने देश के सभी नागरिकों को समान भागीदारी के लिए न्याय योजना एवं संपूर्ण भारत में समग्र जाति जनगणना कराने की पुरजोर मांग की है जिससे देश में ये पता चल पाए कि सरकारी नौकरी ,राजनीति एवं अन्य संवैधानिक संस्थाओं तथा देश के विभिन्न सचिवालयों में अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति पिछड़े वर्ग आदिवासी गरीब किसान मजदूर तथा गरीब सामान्य वर्ग के कितने लोग कार्यरत हैं इसका पूरा आंकड़ा प्राप्त हो सके और जिनको अवसर नहीं प्राप्त हो रहा है उनको न्याय मिल सके आज बीजेपी सरकार कुछ पूंजी पतियों के हाथ में पूरे देश की संवैधानिक संस्थाओं को सौंप करके गरीबों मजदूरों बेरोजगारों तथा युवाओं को अपने ही देश में बेसहारा कर दिया है ये सरकार रोजगार नहीं दे पा रही और संस्थानों पर कब्जा करके एक तानाशाही सरकार चल रही है जब तक संविधान में निहित सभी प्राविधान पूर्ण रूप से लागू नहीं होते तब तक कांग्रेस पार्टी अपने जननायक सांसद राहुल गांधी के नेतृत्व में संघर्ष करती रहेगी। इस संविधान दिवस पर प्रमुख रूप महानगर अध्यक्ष प्रदीप मिश्र अंशुमन, राजेश राकेश, मानस शुक्ला, दिवाकर भारतीय,विनय पांडेय,अनूप सिंह,अनूप त्रिपाठी, विवेक पांडेय,शकील अहमद,अंजुम नाज,फरहान खान,राजेंद्र अग्रवाल,इरशाद उल्ला, सौरभ चौधरी, प्रतिमा त्रिपाठी, संतोषानंद महाराज,नफीस कुरैशी,गुलशन नेता,अब्दुल सकूर, राजेंद्र श्रीवास्तव, राजू केसरवानी,रिजवाना, रमेश सोनकर आदि उपस्थित रहे...

छात्राओं को सिखाए ताइक्वांडो के दांवपेंच

प्रयागराज। संस्था कनकधारा और केपी गर्ल्स इंटर कॉलेज की ओर से बालिकाओं की शारीरिक शिक्षा और नारी सशक्तिकरण के उद्देश्य से आयोजित पांच दिनी ताइक्वांडो कार्यशाला का समापन सोमवार को हुआ।

सम्पादक
सिद्धनाथ द्विवेदी
प्रबन्धक निदेशक
दीपक जयसवाल
सम्पादकीय कार्यालय
11ई/2, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के आधीन होगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सिद्धनाथ द्विवेदी द्वारा काम्पीटेंट बिजनेस सर्विसेज विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 399 कृष्णानगर कीडगंज से प्रकाशित।
सम्पादक–सिद्धनाथ द्विवेदी, आरएनआई नं. UPHIN/2007/22706 रजि.नं. AD-32/2008-09 ईमेलः amritkt.alld@gmail.com फोन नं. : 9453273951, 8799627062